राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 60 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये | दुर्ग, मंगलवार 06 जनवरी 2025 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

सावधान रहें! 82 साल के बुजुर्ग से ऑनलाइन ठग लिए 7 करोड़, 3 हफ्ते तक रखा डिजिटल अरेस्ट

अहमदाबाद। ऑनलाइन ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है, जिसमें 82 वर्षीय बुजुर्ग को तीन सप्ताह तक डिजिटल रूप से बंधक बनाकर जालसाजों ने 7.12 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। इस मामले में अहमदाबाद साइबर क्राइम ब्रांच ने 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके तार कंबोडिया से संचालित एक अंतरराष्ट्रीय साइबर गिरोह से जुड़े बताए जा रहे हैं। गिरोह का संचालन चीनी मूल के ठगों द्वारा किया जा रहा था। इस ठगी की शुरुआत 4 दिसंबर को हुई, जब बुजुर्ग को एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को ट्राई का अधिकारी बताते हुए दावा किया कि उनके आधार कार्ड का इस्तेमाल कर कुछ नामी हस्तियों को अश्लील वीडियो भेजे गए हैं और इस संबंध में मुंबई क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज की गई है। इसके बाद अलग-अलग लोग मुंबई क्राइम ब्रांच के अधिकारी बनकर वीडियो कॉल के जरिए उनसे संपर्क करते रहे।

छोटे निर्यातकों को सरकार का बड़ा तोहफा : सस्ता मिलेगा कर्ज, गारंटी की भी टेंशन खत्म

नई दिल्ली। देश के छोटे और मध्यम उद्योगों को वैश्विक बाजार में मुकाबला करने और निर्यात के मोर्चे पर मजबूत बनाने के लिए केंद्र सरकार ने नए साल में बड़ा कदम उठाया है। वाणिज्य मंत्रालय ने 2 जनवरी को एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन के तहत दो महत्वपूर्ण योजनाओं की शुरुआत की है, जिनका सीधा लाभ उन एमएसएमई को मिलेगा जो विदेशों में अपना सामान बेचते हैं या निर्यात करने की योजना बना रहे हैं। इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य निर्यातकों को सस्ती दरों पर कर्ज उपलब्ध कराना, वित्त की आसान व्यवस्था करना और उन्हें नए अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचने में मदद करना है। सरकार द्वारा लॉन्च की गई पहली योजना 'इंटरेस्ट सबवेंशन स्कीम' है, जिसके तहत एमएसएमई निर्यातकों को प्री-शिपमेंट और पोस्ट-शिपमेंट दोनों तरह के एक्सपोर्ट क्रेडिट पर ब्याज में बड़ी राहत दी जाएगी। आमतौर पर एमएसएमई को बैंकों से कर्ज लेने पर 9.5 से 12.5 फीसदी तक ब्याज चुकाना पड़ता है, लेकिन इस स्कीम के लागू होने से उन्हें बाजार दरों से करीब 2.75 फीसदी कम ब्याज पर कर्ज मिल सकेगा।

चार सालों में 61,000 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिली

चंडीगढ़। मिशन रोज़गारके तहत आज मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की ओर से शिक्षा विभाग के 606 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र देने के साथ पंजाब में पहली बार चार सालों में युवाओं को 61,000 से अधिक सरकारी नौकरियां मिलने का नया रिकॉर्ड स्थापित हुआ है। नव-नियुक्त उम्मीदवारों में 385 स्पेशल एजूकेटर टीचर, 157 प्राइमरी टीचर, 8 प्रिंसिपल तथा तरस के आधार पर भर्ती हुए 56 कर्मचारी शामिल हैं।

तीन हफ्ते के भीतर पांचवीं वारदात

बांग्लादेश में एक और हिंदू की गोली मारकर हत्या

ढाका। एजेंसी

बांग्लादेश में एक और हिंदू की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। तीन हफ्ते के भीतर यह पांचवीं घटना बताया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, घटना बांग्लादेश के जेसोरे जिले के मोनिरामपुर उपजिला में हुई। मृतक की पहचान राणा प्रताप बैरागी के रूप में हुई है। बैरागी को अपराधियों ने गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। यह घटना आज दोपहर हुई। राणा प्रताप बैरागी केशबपुर उपजिला के निवासी थे। उन्हें मोनिरामपुर उपजिला के कपालिया बाजार में गोली मार दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक, राणा प्रताप सोमवार शाम करीब छह बजे कपालिया बाजार में थे, जब अज्ञात हमलावरों ने उन पर गोलियां चलाईं। वह गंभीर रूप से घायल हो गए और वहीं गिर पड़े। स्थानीय लोगों ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन अस्पताल ले जाने से पहले ही उनकी मौत हो गई। बैरागी की हत्या बांग्लादेश में हुई ऐसी पांचवीं घटना है। पिछले महीने दक्षिणपंथी नेता उस्मान हादी की मौत के बाद से देश में तनाव का माहौल बना हुआ है। सबसे पहले 18 दिसंबर को मैमेनसिंह में एक कपड़ा फैक्ट्री में काम करने वाले दीपू चंद्र दास पर भीड़ ने हमला किया और पीट-पीटकर उनकी हत्या कर दी। इस घटना के छह दिन बाद, पांग्शा उपजिला में अमृत मंडल नाम के एक और हिंदू व्यक्ति की ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने हत्या कर दी। इसके बाद मैमेनसिंह में बजेंद्र बिस्वास की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसी महीने की शुरुआत में 50 वर्षीय हिंदू

व्यापारी खोकोन दास पर भी भीड़ ने हमला किया और उन्हें जिंदा जला दिया, जब वह काम से लौट रहे थे। कई दिनों तक जिंदगी और मौत से लड़ने के बाद दास की शनिवार तीन जनवरी को मौत हो गई। पिछले महीने भारत ने बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या को लेकर चिंता जताई थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था कि मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के तहत पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों पर हमले की 2,900 से अधिक घटनाएं सामने आई हैं। 26 दिसंबर को मीडिया को संबोधित करते हुए जायसवाल ने कहा था कि बांग्लादेश में हिंदू, ईसाई और बौद्ध अल्पसंख्यकों के खिलाफ चरमपंथियों के लगातार हमले गंभीर चिंता का विषय है। इससे पहले, गुरुवार को भी बांग्लादेश में एक हिंदू व्यापारी पर गंभीर हमला हुआ था. अज्ञात बदमाशों ने उस व्यक्ति पर हमला किया और उसके बाद पेट्रोल डालकर आग लगाने की कोशिश की. इस हमले का शिकार चंद्र दास नामक हिंदू व्यापारी हुए थे. बताया जा रहा है कि यह हमला उस समय हुआ जब चंद्र दास अपनी दुकान बंद करके घर लौट रहे थे. यह घटना भी स्थानीय लोगों में डर और असुरक्षा की भावना पैदा कर गई. पिछले कुछ हफ्तों में हिंदू समुदाय के लोग लगातार हिंसा और हमलों का सामना कर रहे हैं.

अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस के घर पर हमला खिड़कियां टूटीं; हिरासत में संदिग्ध आरोपी

अमेरिका के सिनसिनाटी में उप राष्ट्रपति जेडी वांस के घर पर रात (स्थानीय समय) में हमला किया गया, जिसमें कई खिड़कियां टूट गईं। इस घटना के बाद सीक्रेट सर्विस और स्थानीय पुलिस ने प्रतिक्रिया दी। सीक्रेट सर्विस के एजेंट सोमवार की सुबह जल्दी ईस्ट वालनट हिल्स स्थित घर पर पहुंचे। एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है। हालांकि अधिकारियों ने यह पुष्टि नहीं की है कि उसके खिलाफकोई मामला दर्ज किया गया है या नहीं। पुलिस ने स्थानीय टेलीविजन चैनल डब्ल्यूसीपीओ को बताया कि संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है। लेकिन और कोई जानकारी साझा नहीं की।

टीम नहीं भेजने पर दी प्रतिक्रिया

बांग्लादेश में जो हो रहा वो गलत-हरभजन सिंह

नई दिल्ली। भारत और बांग्लादेश के बीच मुस्तफिज़ुर रहमान को लेकर विवाद बढ़ गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) मुस्तफिज़ुर को आईपीएल से बाहर करने पर इस कदर बौखला गया है कि उसने टी20 विश्व कप के लिए भारत की यात्रा करने से भी इनकार कर दिया है। बांग्लादेश अपने मैच भारत में खेलेगा या नहीं इसका फैसला आईसीसी को करना है, लेकिन पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया दी है। बीसीबी ने आईसीसी से कहा है कि वह टी20 विश्व कप में अपने मैच श्रीलंका में

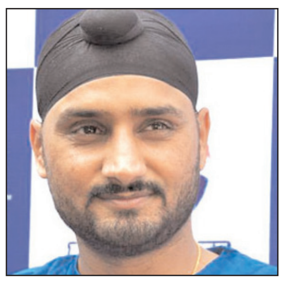

खेलना चाहता है। बीसीबी ने ये फैसला तब लिया है जब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिज़ुर रहमान को रिलीज करने कहा था।

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज मंत्रालय महानदी भवन में राजा मोरध्वज आरंग महोत्सव 2026 समिति के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर कौशल विकास मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब उपस्थित थे। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को राजा मोरध्वज आरंग महोत्सव में मुख्य अतिथि के रुप में आमंत्रित किया। इस अवसर पर श्री के.के. भारद्वाज, डॉ. संदीप जैन, श्री नरेंद्र लोधी, श्री गोविंद वर्मा, श्री पुष्कर साहू, श्री संतोष लोधी, श्री अशोक चंद्राकर, श्री देवनाथ साहु, श्री राकेश सोनकर, श्री हीरामन कोसले, श्री विक्रम परमार, श्री चंद्रशेखर साहू, श्री गणेश राम साहू, दूजे राम धीवर उपस्थित थे।

बीआरएस नेता का विवादित बयान

राहुल को बीच चौराहे फांसी देनी चाहिए....

नई दिल्ली। भारत राष्ट्र समिति के नेता और पूर्व मंत्री के.टी. रामाराव ने कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस के चुनावी वादों को लेकर विवादित टिप्पणी की। केटीआर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने चुनाव के दौरान जनता से कई बड़े वादे किए थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन्हें पूरा करने में विफल रही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 2 लाख नौकरियों का वादा किया था, किसानों के लिए कर्ज माफी और पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण देने का आश्वासन दिया था, लेकिन इनमें से कोई भी वादा पूरा नहीं

हुआ। अपने बयान में केटीआर ने कहा कि राहुल गांधी को अशोक नगर के चौराहे पर फांसी देनी चाहिए क्योंकि उन्होंने 2 लाख नौकरियों का वादा किया और पूरा नहीं किया। किसानों के कर्ज माफी के वादे पर उन्हें वारंगल में फांसी देनी चाहिए।

स्टालिन पर साधा निशाना

देश की सबसे भ्रष्ट सरकार तमिलनाडु में- अमित शाह

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तमिलनाडु के पुदुक्कोट्टई में राजनीतिक पारा गरमा दिया। तमिलगम थलाई निमिरा तमिलनिन पायनम यात्रा के समापन समारोह में बोलते हुए उन्होंने एक बड़ी भविष्यवाणी की। शाह ने ताल ठोक कर कहा कि 2026 में तमिलनाडु में एनडीए की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने राज्य की जनता से अपील की कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे भारत के विकास रथ में अपने राज्य को भी शामिल करें। शाह ने स्पष्ट किया कि आगामी

चुनावों में भाजपा और एआईएडीएमके अपने सहयोगियों के साथ मिलकर कांग्रेस और डीएमके का कड़ा मुकाबला करेंगे। उन्होंने डीएमके सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि यह सरकार हर मोर्चे पर पूरी तरह विफल रही है। शाह ने जोर देकर कहा कि अगर देश में कहीं सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार है, तो वह दुर्भाग्य से तमिलनाडु में ही है। उन्होंने आरोप लगाया कि डीएमके ने अपने घोषणापत्र के सबसे कम वादों को पूरा किया है और जनता को निराश किया है। अमित शाह ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि तमिलनाडु सरकार का एकमात्र उद्देश्य स्टालिन के पुत्र उदयनिधि को मुख्यमंत्री बनाना रह गया है। उन्होंने कहा कि पहले करुणानिधि, फिर स्टालिन और अब उदयनिधि, लेकिन तमिलनाडु में वंशवाद की इस राजनीति का अंत करने का समय अब आ गया है।

बीजापुर में आईईडी की चपेट में आया 15 साल का नाबालिग, सुरक्षाबलों ने ग्रामीणों से की अपील

बीजापुर। माओवादियों ने पहले से लगाए गए प्रेशर आईईडी विस्फोट में ग्राम कोरचोली निवासी एक ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना सोमवार की सुबह लेंड्रा कोरचोली जंगल क्षेत्र में हुई। जानकारी के मुताबिक, गंगालुर थाना क्षेत्र के ग्राम कोरचोली नदीपारा निवासी राम पोटाम सुबह के समय जंगल की ओर गया था। इसी दौरान माओवादियों द्वारा पहले से लगाए गए प्रेशर आईईडी की चपेट में आ गया। विस्फोट के कारण ग्रामीण के पैर में गंभीर चोट आई है। घटना की सूचना मिलते ही सुरक्षाबलों द्वारा घायल को तत्काल 222 बटालियन केरिपु कैम्प, कोरचोली लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया।

फडणवीस के बयान पर पठान का पलटवार

मुस्लिम महिला बनेंगी मुंबई की अब मेयर-वारिस पठान

मुंबई/ एजेंसी

मुंबई महा नगर पालिका चुनावों की आहट के साथ ही महाराष्ट्र की राजनीति में 'मेयर की कुर्सी' को लेकर ध्रुवीकरण तेज हो गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हालिया बयान ने एक नई बहस को जन्म दे दिया है, जिस पर नेता वारिस पठान ने कड़ी आपत्ति जताई है। धारावी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए वारिस पठान ने मुख्यमंत्री के उस दावे को सीधे चुनौती दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि मुंबई का मेयर केवल 'हिंदू मराठी' ही होगा। पठान ने इसे लोकतंत्र और

भारतीय संविधान का अपमान बताया। उन्होंने कहा कि देश का कानून किसी भी नागरिक को उसकी जाति या धर्म के आधार पर ऊंचे पदों से वंचित नहीं करता। पठान ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से सवाल किया कि अगर देश में मुस्लिम राष्ट्रपति, मुख्य न्यायाधीश, राज्यपाल और मुख्यमंत्री बन सकते हैं, तो मुंबई की मेयर एक मुस्लिम महिला क्यों नहीं बन सकती? उन्होंने भावुक होते हुए कहा, हमारा सपना है कि एक दिन कलमा पढ़ने वाली और हिजाब पहनने वाली मुस्लिम बेटी मुंबई की मेयर बने। उन्होंने फडणवीस को याद दिलाया कि उन्होंने संविधान की शपथ ली है, जो समानता का अधिकार देता है। वारिस पठान ने केवल बीजेपी को ही नहीं, बल्कि कांग्रेस और उद्धव ठाकरे को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि मुस्लिम वोटों को अपना हक समझने वाली कांग्रेस इस संवैधानिक मुद्दे पर चुप क्यों है।

पीएम मोदी से मिले सीएम योगी

मंत्रिमंडल विस्तार और मिशान 2027 पर हुआ गहन मंथन.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी से प्रधानमंत्री आवास पर मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने मंत्रिमंडल विस्तार और 2027 के चुनावों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने राज्य की विकास योजनाओं के साथ-साथ आगामी चुनावों के लिए राजनीतिक रणनीति पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद, मुख्यमंत्री योगी के दोपहर 3:30 बजे भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करने की उम्मीद है। यह मुलाकात ऐसे समय में हो रही है जब उत्तर प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर चर्चाएँ तेज़ हो रही हैं। पंकज चौधरी को उत्तर प्रदेश भाजपा का नया अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद, राज्य मंत्रिपरिषद का लंबे समय से प्रतीक्षित विस्तार और संगठन में बदलाव पार्टी के एजेंडे में अगला कदम है। मंत्रिमंडल विस्तार संभवतः 14-15 जनवरी, 2026 को मकर संक्रांति के त्योहार के बाद होगा। इसके अलावा, आयोगों, बोर्डों और परिषदों में राजनीतिक नियुक्तियों की प्रक्रिया भी जल्द ही शुरू होगी। हाल के दिनों में भाजपा में कई बदलाव देखने को मिले हैं। हाल ही में, भाजपा ने नितिन नबीन को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त करके सबको चौंका दिया, वहीं उत्तर प्रदेश में पंकज चौधरी को नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया। पंकज चौधरी उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करने वाले एकमात्र नेता थे। इसके अलावा, भाजपा तब सुर्खियों में आई जब कई ब्राह्मण

विधायकों ने एक साथ भोज में भाग लिया। इससे उत्तर प्रदेश की राजनीति में हलचल मच गई और मामला दिल्ली तक पहुंच गया। दरअसल, कुछ दिन पहले पीएन पाठक के लखनऊ स्थित आवास पर ब्राह्मण भाजपा विधायकों की एक बैठक हुई थी। इस बैठक को सहभोज कहा गया। बैठक में लगभग 40 विधायक और एमएलसी शामिल हुए। दरअसल, यह बैठक इसलिए भी सुर्खियों में थी क्योंकि इससे कुछ समय पहले ठाकुर विधायकों ने भी दो बैठकें की थीं। राज्य सरकार के मंत्री जयवीर सिंह और दयाशंकर सिंह, अन्य मंत्रियों और विधायकों के साथ बैठक में शामिल हुए थे। पूर्व सांसद राजवीर सिंह राजू भैया ने भी विधायकों, सांसदों और लोध समुदाय के नेताओं का एक सम्मेलन आयोजित किया था। हालांकि, उस समय पार्टी ने कोई आपत्ति नहीं जताई थी। कुर्मी बौद्धिक विचार मंच के बैनर तले भाजपा के कुर्मी विधायकों ने भी इसी तरह की बैठक की थी। तब भी मामला इतना गंभीर नहीं हुआ था।खबरों के मुताबिक, बैठक में 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर भी रणनीति पर चर्चा की गई। इस दौरान संगठन की मजबूती, जमीनी फीडबैक, क्षेत्रीय संतुलन और जनहित से जुड़े मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक में चुनावी तैयारी की दिशा में अहम निर्णय लेने की रूपरेखा तय करने पर जोर दिया गया।

क्यों अहम है सीएम योगी का दिल्ली दौरा?

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह दिल्ली दौरा कई दृष्टिकोणों से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सीएम योगी ऐसे समय में दिल्ली पहुंचे हैं, जब उत्तर प्रदेश के दोनों डिप्टी सीएम, केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, भी दिल्ली में मौजूद हैं। ब्रजेश पाठक ने सोमवार को भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की, जिससे यह संकेत मिलता है कि दिल्ली में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हो रही है। उत्तर प्रदेश कैबिनेट में कई पद खाली पड़े हुए हैं, और मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावना पर चर्चा हो रही है। खासकर, नए चेहरों को शामिल करने और कुछ मंत्रियों के विभागों में बदलाव की संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, यह संभावना जताई जा रही है कि दिल्ली में पार्टी के हाईकमान के साथ बैठकर इस पर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है।

विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने ग्राम अंशुला में किया भूमिपूजन, ग्रामवासियों को दी विकास कार्य की सौगात

धार्मिक पर्यटन का नया अध्यायः विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने ग्राम अंशुला में किया मंदिर व रंगमंच का भव्य भूमिपूजन

संकल्प से सिद्धि तक : जोंक नदी के तट पर विधायक डॉ. अग्रवाल ने रखी मंदिर और धर्मशाला की आधारशिला

पिथौरा (समय दर्शन)। बसना विधानसभा क्षेत्र के विकास और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया है। ग्राम अंशुला स्थित जोंक नदी के पावन तट पर क्षेत्रीय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने पूर्ण विधि-विधान, मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के साथ मंदिर, आधुनिक रंगमंच एवं धर्मशाला निर्माण हेतु भूमिपूजन किया। इस दौरान पूरे क्षेत्र का वातावरण भक्तिमय हो उठा और ग्रामीणों में भारी उत्साह देखा गया।

भूमिपूजन के पश्चात उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने अपने मन के भाव साझा किए। उन्होंने विस्तार पूर्वक कहा कि आज का दिन मेरे जीवन के सबसे संतोषजनक दिनों में से एक है। कुछ समय पूर्व जब इसी जोंक नदी के पावन तट पर चातुर्मास गणेश महायज्ञ का आयोजन हुआ था, तब यहाँ की दिव्यता और श्रद्धा को देखकर मेरे मन में एक विचार आया था। उस समय संतों के सानिध्य में मैंने संकल्प लिया था कि इस स्थान को केवल एक नदी का तट नहीं, बल्कि एक जाग्रत तीर्थ के रूप में विकसित करना है। आज ईश्वर और आप सभी के आशीर्वाद से वह संकल्प धरातल पर उतर रहा है।

विधायक डॉ. अग्रवाल ने निर्माण कार्यों की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए आगे कहा कि हमारा उद्देश्य केवल ईंट-पत्थरों का ढांचा खड़ा करना नहीं है, बल्कि एक ऐसी व्यवस्था बनाना है जहाँ हमारी संस्कृति जीवित रहे। यहाँ बनने वाला रंगमंच हमारे स्थानीय कलाकारों और धार्मिक उत्सवों के लिए एक मंच बनेगा। साथ ही, दूर-दराज से आने वाले ऋषि-मुनियों, विद्वानों और महात्माओं को ठहरने में कोई असुविधा न हो, इसके लिए एक सर्वसुविधायुक्त धर्मशाला का निर्माण कराया जा रहा है। यह धर्मशाला क्षेत्र में आध्यात्मिक संवाद का केंद्र बनेगी।

विधायक डॉ अग्रवाल ने जोर देकर कहा कि इन कार्यों का सीधा लाभ ग्राम अंशुला सहित पूरी बसना विधानसभा को मिलेगा । उन्होंने आगे कहा कि जोंक नदी का यह तट आने वाले समय में जिले के प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थलों में गिना जाएगा। साथ ही आधुनिकता के दौर में नई पीढ़ी अपनी जड़ों, संस्कारों और सनातन संस्कृति से कटी जा रही है। यहाँ होने वाले निरंतर आयोजन युवाओं को धर्म और संस्कार से जोड़ेंगे।

कार्यक्रम के दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने विधायक डॉ. संपत अग्रवाल का गर्मजोशी से स्वागत किया। ग्रामीणों का कहना है कि विधायक की इस पहल से गांव की पहचान पूरे जिले में बढ़ेगी।

भूमिपूजन कार्यक्रम में अध्यक्ष, जनपद पंचायत पिथौरा ऊषा पुरुषोत्तम धृतलहरें,जनपद सदस्य, पिथौरा पुरुषोत्तम धृतलहरें,वरिष्ठ भाजपा नेता कैलाश चंद्र अग्रवाल, विधायक प्रतिनिधि सोनू छाबड़ा, विधायक प्रतिनिधि कामेश बंजारा,मंडल महामंत्री, सांकरा मनोज बारिक, महामंत्री खेमचंद अग्रवाल,महामंत्री झाड़ूराम परमार,कमलेश साहू, राकेश साहू, बृजलाल चौहान, बरसाती लाल डड़सेना, सतपती साहू, मोहनलाल डड़सेना , पदुम साहू, रविशंकर सबर, बाबूलाल वैष्णव, बलीराम नागेश, शिवशंकर साहू, देवकुमार विशाल,जयंत साहू,क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, पंचायत प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय वयोवृद्ध कार्यक्रम : सियान सदन में वृद्धजनों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार

मुंगेली(समय दर्शन) राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत राष्ट्रीय वयोवृद्ध कार्यक्रम के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा के निर्देशानुसार रामगढ़ सियान सदन में सभी पेंशनधारी वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया। जिला कार्यक्रम प्रबंधक गिरीश कुर्रे, जिला नोडल अधिकारी डॉ. कमलेश खैरवार तथा सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. एम.के राय के मार्गदर्शन में वृद्धजनों की सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ मानसिक स्वास्थ्य परामर्श भी प्रदान किया गया। शिविर में नाक-कान-गला, नेत्र तथा अन्य विशेषज्ञ उपचार की आवश्यकता वाले पेंशनधारी वृद्धजनों को आगे की जांच एवं उपचार हेतु जिला चिकित्सालय में रेफर किया गया। इस पहल से वृद्धजनों को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं, जिससे उनके स्वास्थ्य एवं जीवन गुणवत्ता में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। इस अवसर पर जिला चिकित्सालय के मानसिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय ओबेरॉय, फार्मासिस्ट ओमप्रकाश भास्कर, नर्सिंग ऑफिसर नम्रता पाल सहित स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक और कर्मचारी मौजूद रहे।

21 साल बाद आज होगा पाटन में मड़ई

पाटन। नगर पंचायत पाटन में लगभग 21 साल बाद वार्षिक मंडई मिलन समारोह का आयोजन आगामी 6 जनवरी को किया जा रहा है। इसकी तैयारी व्यापक रूप में आज देखने को मिली। रेस्ट हाउस के पीछे विशाल मैदान पर बड़े-बड़े एक से बढ़कर एक आधुनिक झूला जैसे ड्रेगन, ब्रेक डांस, जलपरी, डोरा डोरा सहित अन्य झूले लग रहे हैं वहीं अन्य व्यापारियों के लिए जगह की उपलब्धता करने आसपास के भी साफ-सफाई की जा रही है। इसके अलावा पार्किंग व्यवस्था भी किया जा रहा है। बता दे कि पिछले कुछ सालों से नगर पंचायत पाटन में वार्षिक मड़ाई मेला का कार्यक्रम नहीं हुआ है इसे फिर से अब अध्यक्ष नगर पंचायत पाटन योगेश निक्की भाले ने पहल करते हुए मड़ई मेला का आयोजन कर रहे है। मंगलवार को अध्यक्ष योगेश निक्की भाले एवं उपाध्यक्ष निशा सोनी पार्षद केवल देवांगन और अन्य पार्षदों ने अधिकारियों, नगर पंचायत के कर्मचारियों के साथ मेला मेला स्थल का निरीक्षण भी किया।। यहां पर झूला लगा रहे हैं कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार के लापरवाही न बरते । पार्किंग व्यवस्था के लिए भी मैदान को समतल किया जा रहा है। रात्रि कालीन कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के लोक कला मंच चिन्हारी लोक मया का मंचन किया जाएगा। दोपहर में भी कार्यक्रम आयोजित है। सामरोह में मुख्य अतिथि के रूप में केबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव, भाजपा के जिला मंत्री जितेंद्र वर्मा सहित अन्य मौजूद रहेंगे।

विद्युत करंट लगाकर जंगली सुअर का शिकार

बलौदाबाजार। वन्यजीव संरक्षण के तहत वन विभाग ने अवैध शिकार के एक गंभीर मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जी.आई. तार में विद्युत प्रवाह कर जंगली सुअर का शिकार करने के आरोप में दोनों को न्यायिक रिमांड पर जिला जेल बलौदाबाजार भेजा गया है। वनमण्डलाधिकारी बलौदाबाजार गणवीर धम्मशील के मार्गदर्शन एवं उप वनमण्डलाधिकारी कसडोल अनिल वर्मा के नेतृत्व में 31 दिसम्बर 2025 की रात सोनाखान परिक्षेत्र में गश्त के दौरान कक्ष क्रमांक 238 में 11 के.व्ही. विद्युत लाइन से जी.आई. तार द्वारा अवैध हुकिंग किए जाने का मामला सामने आया। निरीक्षण के दौरान लहुरसिंग के खेत में एक जंगली सुअर मृत अवस्था में पाया गया, जिसके समीप से जी.आई. तार गुजरा हुआ था। मामले में संदेह के आधार पर ग्राम वीरनारायणपुर निवासी सुरेश बरिहा (उम्र 37 वर्ष) एवं ग्राम सोनाखान निवासी अंजोर सिंह बिंझवार (उम्र 35 वर्ष) से पूछताछ की गई। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने विद्युत करंट लगाकर वन्यप्राणी का शिकार करना स्वीकार किया।

मामूली चोट के बाद मासूम की मौत, स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

कुआकोंडा (मोकपाल)के बालिका पोटाकेबिन आश्रम के मासूम की मौत पर जिला कांग्रेस कमेटी दंतेवाड़ा का आक्रोश, दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने किया पोटाकेबिन आश्रम का निरक्षण

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। कुआकोंडा ब्लॉक के ग्राम मोकपाल स्थित पोटाकेबिन आश्रम में (नम्रता कश्यप पिता छानू राम उम्र 9 वर्ष कक्षा तीसरी) मैं अध्ययनरत एक मासूम बच्चे की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी दंतेवाड़ा ने गहरा दुख व्यक्त किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आश्रम में खेलते समय बच्चे के पैर में मामूली चोट लगने पर उसे सुबह 9 बजे गुडरा ले गए जिसके बाद बच्ची ठीक रही फिर उसे उसी फिर ठीक नहीं लगने पर शाम 5 बजे कुआकोंडा के उपस्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के नाम पर कुछ दवाइयां एवं इंजेक्शन लगाए गए। इसके बाद बच्चे की हालत में सुधार नहीं होने पर उसे रात 9 बजे जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां आज सुबह मासूम बच्चे की मौत हो गई।

इस हृदयविदारक घटना की जानकारी मिलते ही जिला कांग्रेस कमेटी दंतेवाड़ा के पदाधिकारियों ने तत्काल कुआकोंडा के मोकपाल पोटाकेबिन पहुंचकर पूरे मामले का निरीक्षण किया एवं आश्रम के शिक्षकों और अनुदेशक लोगों से चर्चा की। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही पर गंभीर सवाल उठाते हुए साथ है पोटाकेबिन के भी लापरवाही भी उजागर होती है।इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। निरीक्षण के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सलीम राजा उस्मानी, जिला महामंत्री मनीष भट्टाचार्य, जिला महामंत्री विमल सलाम, जिला पंचायत सदस्य सुलोचना कर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष सुमित्रा सोरी एवं जिला कांग्रेस मीडिया प्रभारी मनीष ठाकुर उपस्थित रहे।

जिला कांग्रेस कमेटी ने राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन से मांग की है कि इस मामले में दोषी स्वास्थ्यकर्मियों एवं जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ तत्काल कठोर कार्रवाई की जाए, पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा प्रदान किया जाए तथा भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार सुनिश्चित किया जाए।

एनएमडीसी के 68वें स्थापना दिवस पर किरंदुल में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम

मुंबई के प्रसिद्ध गायकों चारु सेमवाल और दिव्या कुमार ने बांधा समां

बॉलीवुड हिट्स और मधुर गीतों पर झूमे दर्शक, तालियों की गूंज से गूंजा फुटबॉल ग्राउंड

नक्सल प्रभावित क्षेत्र में विकास और संस्कृति का अनोखा संगम, कंपनी की ष्टस्क्रप्रतिबद्धता हुई उजागर

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। किरंदुल नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एनएमडीसी) के बैलाडिला आयरन ओर माइन, किरंदुल कॉम्प्लेक्स में कंपनी के 68वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में रविवार रात एक भव्य सांस्कृतिक संगीत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम ने कंपनी की समृद्ध विरासत का जश्न मनाने के साथ-साथ कर्मचारियों और स्थानीय समुदाय में उत्साह एवं एकता का माहौल पैदा कर दिया।
मुंबई से विशेष रूप से आमंत्रित प्रसिद्ध गायक चारु सेमवाल और दिव्या कुमार ने अपनी सुरीली आवाजों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दिव्या कुमार के बॉलीवुड हिट गीतों और चारु सेमवाल की मधुर प्रस्तुतियों पर दर्शक झूम उठे तथा पूरा फुटबॉल ग्राउंड तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

एनएमडीसी के वरिष्ठ अधिकारी और प्रमुख भी इस संगीत कार्यक्रम का पूरा आनंद लेते नजर आए। भारत की सबसे बड़ी आयरन ओर उत्पादक कंपनी एनएमडीसी अपने बैलाडिला प्रोजेक्ट्स (किरंदुल एवं बचेली) के माध्यम से देश की स्टील इंडस्ट्री को मजबूत आधार प्रदान करती है। ऐसे सांस्कृतिक आयोजन कंपनी की कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी तथा कर्मचारी कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं।

नक्सल प्रभावित किरंदुल जैसे क्षेत्र में यह आयोजन सकारात्मक ऊर्जा और प्रेरणा का संदेश लेकर आया, जहां विकास और संस्कृति का यह संगम स्थानीय लोगों के लिए उम्मीद की किरण बन रहा है। कार्यक्रम में एनएमडीसी किरंदुल परियोजना के कार्यकारी निदेशक रवींद्र नारायण, डीजीएम (एचआर) के.एल. नागवेणी, श्रम संघ पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

भूकेल में विराट हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन

कीर्तन धारा व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सराबोर रहा कार्यक्रम

बसना (समय दर्शन)। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी-हिंदी विद्यालय मैदान, भूकेल में रविवार को विराट हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया।
सम्मेलन में क्षेत्रभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु, सामाजिक कार्यकर्ता, मातृशक्ति, युवा वर्ग एवं गणमान्य नागरिकों की सहभागिता रही। आयोजन स्थल पर दिनभर धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक वातावरण बना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, माता सीता एवं भगवान श्रीरामचंद्र जी के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं विधिवत पूजा-अर्चना दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात अतिथियों द्वारा पंच परिवर्तन एवं संघ के व्यक्ति निर्माण व राष्ट्र निर्माण विषय पर सारगर्भित संबोधन प्रस्तुति ने सबके के हृदय में हिन्दुत्व का भाव भर दिया।

इस दौरान विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड संयोजिका ममता सीतल मिश्रा ने कहा कि हिंदू समाज केवल एक धर्म नहीं, बल्कि एक जीवन पद्धति है, जो आस्था के साथ सेवा, सद्भाव और संस्कारों पर आधारित है।

आज आवश्यकता है कि हम अपनी जड़ों को पहचानें और सनातन मूल्यों को सशक्त रूप से अगली पीढ़ी तक पहुंचाएं। उन्होंने समाज में फैल रही कुरीतियों, वैचारिक भ्रम और सांस्कृतिक विघटन पर चिंता व्यक्त करते हुए संगठित एवं जागरूक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। बौद्धिक विभाग प्रमुख क्षीरसागर पटेल ने कहा कि हिंदू समाज की सबसे बड़ी शक्ति उसकी एकता और संगठन है। उन्होंने युवाओं से नशा, भटकाव और असामाजिक गतिविधियों से दूर रहकर शिक्षा, संस्कार और सेवा के मार्ग पर अग्रसर होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जाग्रत युवा ही सशक्त समाज और मजबूत राष्ट्र का आधार होता है।

मुख्य वक्ता ने अपने संबोधन में धर्मांतरण, सामाजिक विभाजन एवं सांस्कृतिक विकृति जैसी चुनौतियों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि इनका समाधान केवल शांतिपूर्ण, वैचारिक और संगठित प्रयासों से ही संभव है। उन्होंने सभी वर्गों से आपसी मतभेद भुलाकर हिंदू समाज एवं राष्ट्रहित में एकजुट होने की अपील की। सम्मेलन में गौ-संरक्षण, नारी सम्मान, परिवार व्यवस्था की मजबूती, भारतीय शिक्षा पद्धति एवं स्वदेशी विचारधारा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विचार व्यक्त किए गए, इसी प्रकार से जिला बौद्धिक प्रमुख विवेक दीक्षित जी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर उसके स्वरूप को समाज के समक्ष रखा , साथ ही विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री बसंत देवता ने समाज के समक्ष भारत माता का एक भावपूर्ण भजन प्रस्तुत किया। तत्पश्चात आयोजित कीर्तन धारा ने पूरे परिसर को भक्तिमय वातावरण को सराबोर कर दिया।

भजनों और संकीर्तन में श्रद्धालु भाव-विभोर होकर धर्म और संस्कृति के प्रति अपनी आस्था प्रकट करते नजर आए। सम्मेलन के दौरान सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहे। बच्चों की मनोहारी और भक्तिमय प्रस्तुतियों ने भारतीय संस्कृति, संस्कार और परंपराओं को सजीव रूप में मंच पर प्रस्तुत किया, जिसे दर्शकों ने तालियों के साथ सराहा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं विश्व हिंदू परिषद के वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजनों से सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय चेतना को मजबूती मिलती है। उन्होंने युवाओं से अपने संस्कारों एवं सांस्कृतिक विरासत को आत्मसात करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बौद्धिक विभाग प्रमुख क्षीरसागर पटेल, जिला बौद्धिक प्रमुख विवेक दीक्षित, विश्व हिंदू परिषद मातृशक्ति प्रखंड संयोजिका ममता शीतल मिश्रा, जिला मंत्री बसंत देवता, जिला उपाध्यक्ष रामाकांतिदास, बसना खंड कार्यवाह पंचराम गहीर, सह-कार्यवाह ध्रुव बारिक, जिला सत्संग प्रमुख गणेश राम साहू,दुर्गा वाहिनी जिला सयोजिका दामिनी पटेल, आयोजन समिति के सागरचंद पटेल, रिखीराम पटेल, छंदाचरण बारिक, जयंत पटेल, उत्तर पारेश्वर, सत्यप्रकाश बारिक, परसराम, वृंदावन पटेल, शिवा मानिकपुरी, जनपद पंचायत बसना के उपाध्यक्ष मोहित पटेल, सरपंच संघ अध्यक्ष लखन पटेल सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा – यह पहल ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाकर सतत आजीविका के अवसर करेगी सृजित

डीएसआईआर ने धमतरी जिले की ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु एनआईटी रायपुर को STREE परियोजना की स्वीकृत

रायपुर। ग्रामीण भारत में महिला सशक्तिकरण एवं विकास को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (DSIR) ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर को STREE (महिलाओं की आर्थिक वृद्धि को सशक्त बनाने के लिए तकनीकी संसाधनों के माध्यम से कौशल विकास) परियोजना स्वीकृत की है। इस परियोजना की स्वीकृति का हस्ताक्षर समारोह 4 जनवरी 2026 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया, जिसमें केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री जितेंद्र सिंह की गरिमामय उपस्थिति रही। यह पहल एनआईटी रायपुर की कंपनी एनआईटी रायपुर फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (NITRRFIE) के माध्यम से कार्यान्वित की जाएगी। भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की॒2य+ योजना के अंतर्गत महिलाओं के लिए प्रौद्योगिकी विकास एवं उपयोग कार्यक्रम (झष्ठक्कड्ड) के तहत समर्थित इस परियोजना के लिए 36 माह की अवधि हेतु 90 लाख रुपये की वित्तीय सहायता स्वीकृत की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में महिला कौशल उपग्रह केंद्रों की स्थापना करना है, जिसके माध्यम से तीन वर्षों में 300 ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। परियोजना को धमतरी जिला प्रशासन से श्री अबिनाश मिश्रा, कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी, श्री गजेंद्र सिंह ठाकुर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला पंचायत, डॉ. शैलेंद्र सिंह, सहायक निदेशक, CSSDA एवं जिला अधिकारी, तथा श्री जय वर्मा, DPM, CGSRLM शामिल हैं, जो स्थानीय समन्वय एवं व्यापक जनपहुंच सुनिश्चित करेंगे। एनआईटी रायपुर की ओर से इस परियोजना का मार्गदर्शन निदेशक डॉ. एन. वी. रामना राव द्वारा किया जा रहा है।परियोजना का नेतृत्व डॉ. अनुज कुमार

शुक्ला, सहायक प्राध्यापक एवं प्रधान अन्वेषक कर रहे हैं। उनके साथ श्री पवन कटारिया, सहायक कुलसचिव एवं सह-प्रधान अन्वेषक एवं प्रभारी अधिकारी, ह्ढ्ढञ्क्क्रन्ढ्ढश्च के रूप में जुड़े हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की ओर से डॉ. विपिन शुक्ला, वैज्ञानिक-जी एवं सलाहकार तथा॒2य+ के प्रमुख, तथा डॉ. वंदना कालिया, वैज्ञानिक 'एफ' इस परियोजना को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। समारोह में डॉ. अनुज कुमार शुक्ला, सहायक प्राध्यापक, एनआईटी रायपुर एवं स्ञ्क्रश्चश्च परियोजना के प्रधान अन्वेषक उपस्थित थे, जो शिक्षा जगत, सरकार एवं जिला प्रशासन के बीच सुदृढ़ सहयोग का प्रतीक है। STREE परियोजना ग्रामीण महिलाओं के समग्र कौशल विकास पर केंद्रित रहेगी। इसके अंतर्गत कोसा (कोकून) रेशम से फाइबर निष्कर्षण एवं प्रसंस्करण, आधुनिक बुनाई तकनीकें, उत्पाद डिजाइन एवं विकास, उद्यमिता विकास कार्यक्रम तथा बाजार संपर्क सहायता जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह पहल विशेष रूप से हाशिये पर बसे एवं कृषि-आधारित समुदायों को लक्षित करती है, जिसका उद्देश्य महिला-नेतृत्व वाले सूक्ष्म उद्यमों का सृजन और सतत आजीविका के नए अवसर प्रदान करना है। केंद्रीय मंत्री श्री जितेंद्र सिंह की विशिष्ट उपस्थिति में स्ञ्क्रश्चश्च परियोजना की स्वीकृति का समारोह समावेशी नवाचार और महिला सशक्तिकरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता में एनआईटी रायपुर के लिए एक परिवर्तनकारी मील का पत्थर है। स्ञ्क्रश्चश्च परियोजना ग्रामीण महिलाओं के लिए सतत और स्केलेबल समाधान बनाने हेतु अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को जमीनी स्तर के विकास के साथ एकीकृत करने की हमारी दृष्टि को साकार करती है।

कवर्धा प्रीमियर लीग से जिले में खेल संस्कृति को मिला नया आयाम, युवाओं को मिला प्रतिभा निखारने का सशक्त मंच-उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

रायपुर। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा की विशेष पहल पर आयोजित कवर्धा प्रीमियर लीग का फाइनल मुकाबला कवर्धा के वार्ड नंबर 08 एवं ग्राम सारी के मध्य कवर्धा के करपात्री स्टेडियम में खेला गया। यह मुकाबला दर्शकों के लिए बेहद रोमांचक रहा, जिसमें अंतिम गेंद पर खेल का परिणाम तय हुआ। फाइनल मैच में वार्ड नंबर 08 की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ग्राम सारी को 101 रनों का लक्ष्य दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए ग्राम सारी की टीम को वार्ड नंबर 08 के गेंदबाजों ने अपने शानदार गेंदबाजी और अनुशासित खेल द्वारा परास्त कर टीम विजेता बनी और वार्ड नंबर 08 ने कवर्धा प्रीमियर लीग का खिताब अपने नाम किया। इस अवसर पर तीसरे स्थान के लिए ग्राम बरेंडा एवं कवर्धा के वार्ड नंबर 09 के मध्य मुकाबला खेला गया, जिसमें ग्राम बरेंडा ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज कर तीसरे स्थान प्राप्त किया।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा की पहल पर जिले में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय स्तर की तर्ज पर हुआ भव्य आयोजन उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने फाइनल मुकाबले से पूर्व विधिवत पूजा-अर्चना कर मैच का शुभारंभ किया। उन्होंने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और खेल भावना के साथ खेलने का संदेश दिया। मैच के दौरान उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने भी क्रिकेट में हांथ आजमाया और नगर पालिका अध्यक्ष एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष की गेंदों पर आकर्षक लंबे शॉट लगाया, जिससे मैदान में मौजूद खिलाड़ियों और दर्शकों का उत्साह और बढ़ गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने ग्राम बरेंडा में मिनी स्टेडियम निर्माण की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं शहरी प्रतिभाओं को बेहतर मंच और सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है, ताकि युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिल सके। उन्होंने कवर्धा प्रीमियर लीग में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों, आयोजकों एवं खेल प्रेमियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस आयोजन ने जिले में खेल संस्कृति को नई दिशा दी है। उन्होंने खिलाड़ियों द्वारा प्रदर्शित अनुशासन, समर्पण और खेल भावना की विशेष रूप से सराहना की। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवाओं को सकारात्मक दिशा, मंच और प्रोत्साहन प्रदान किया जाता रहेगा, ताकि कवर्धा जिले से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी उभर सकें।

मंत्री रामविचार नेताम ने 266 हितग्राहियों को शौचालय निर्माण हेतु डीबीटी से 31.92 लाख रुपये किए अंतरित

रायपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन से गांव-गांव में स्वच्छता की एक नई जागरूकता आई है। अब प्रत्येक परिवार खुले में शौच से परहेज कर अपने सम्मान और स्वास्थ्य के लिए पक्के जलवाहित शौचालयों का नियमित उपयोग कर रहा है। इसी क्रम में आदिम जाति विकास मंत्री एवं कोरिया जिले के प्रभारी मंत्री श्री रामविचार नेताम ने बटन दबाकर स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत 266 हितग्राहियों को शौचालय निर्माण हेतु 31 लाख 92 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) के माध्यम से उनके बैंक खातों में अंतरित की।

प्रभारी मंत्री श्री नेताम गत दिवस जिले में विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत हितग्राहियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की। लाभान्वित हितग्राहियों में जनपद पंचायत सोनहत के 97 तथा जनपद

पंचायत बैकुंठपुर के 169 हितग्राही शामिल हैं। इस अवसर पर भारतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती रेणुका सिंह, कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक श्री रवि कुमार कुर्रे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री मोहित पैकरा, उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना राजवाड़े सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रभारी मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के माध्यम से जिले में स्वच्छता की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। शौचालय निर्माण से न केवल स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण को बढ़ावा मिला है, बल्कि ग्रामीणों के जीवन स्तर में भी सकारात्मक परिवर्तन आया है।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से हरिशंकर पटेल की बदली तकदीर

रायपुर। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना ग्रामीण अंचलों में स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम बनकर उभर रही है। इस योजना का प्रभावी उदाहरण रायगढ़ विकासखंड के ग्राम कलमी निवासी श्री हरिशंकर पटेल हैं, जिन्होंने शासन की योजना का लाभ उठाकर न केवल अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ की, बल्कि मछली पालन के क्षेत्र में एक सफल और आत्मनिर्भर मत्स्य कृषक के रूप में पहचान स्थापित की है। लगभग पाँच वर्षों से मत्स्य पालन से जुड़े श्री हरिशंकर पटेल ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना अंतर्गत स्वयं की भूमि में तालाब निर्माण योजना का लाभ लिया। उन्होंने अपनी निजी भूमि पर 0.607 हेक्टेयर क्षेत्रफल में तालाब का निर्माण कर वैज्ञानिक तरीके से मछली पालन की शुरुआत की। सामान्य वर्ग के मत्स्य कृषक होने के कारण उन्हें योजना के अंतर्गत 40 प्रतिशत अनुदान प्राप्त हुआ, जिससे तालाब निर्माण एवं प्रारंभिक व्यवस्थाओं में उल्लेखनीय सहयोग मिला। मत्स्य पालन विभाग द्वारा उन्हें रोहु, कतला एवं मृगल जैसी उन्नत प्रजातियों के मत्स्य बीज 50 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराए गए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने स्वयं के संसाधनों से पंगास और रूपचंदा मछली के बीज का संचयन भी किया, जिससे उत्पादन में विविधता आई और आय के नए अवसर सृजित हुए। श्री पटेल प्रतिवर्ष नवंबर से जनवरी के मध्य मत्स्याखेट करते हैं। बाजार में उनके द्वारा उत्पादित कतला, रोहु एवं मृगल मछलियां 160 से 180 रुपए प्रति किलोग्राम, रूपचंदा 130 रुपए प्रति किलोग्राम तथा पंगास 110 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से विक्रय होती हैं। बेहतर प्रबंधन, समय पर बीज संचयन एवं वैज्ञानिक पद्धति अपनाने के कारण उनके तालाब से निरंतर उत्कृष्ट उत्पादन प्राप्त हो रहा है। वर्तमान में श्री हरिशंकर पटेल प्रतिवर्ष लगभग 60 से 70 क्विंटल मछली का उत्पादन कर रहे हैं, जिससे उन्हें सालाना 2.50 लाख से 3 लाख रुपए तक का शुद्ध लाभ प्राप्त हो रहा है। यह आय न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर जीवन की ओर भी अग्रसर कर रही है।

सद्गुरू कबीर स्मृति महोत्सव का आयोजन सम्पन्न

रायपुर। सद्गुरू कबीर विश्व शांति मिशन संस्थान द्वारा छत्तीसगढ़ संत संगठन के संयोजकत्व में सद्गुरू कबीर स्मृति महोत्सव का आयोजन एवं आध्यात्म सम्मेलन मेकाहारा सभागार में सुबह 11 से 3 बजे के मध्य सम्पन्न हुआ। उक्त आयोजन में संत समाज के हजारों श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर संत कबीर के भजनों में डूबकर कार्यक्रम का आनंद लिया। उक्त अवसर पर छत्तीसगढ़ पद्श्री भारती बंधु एवं डॉ. सुरेश ठाकुर सहित अन्य कलाकारों ने संत कबीर के जीवन पर आधारित संदेशों को भजनों में बांधकर उपस्थितजनों को भावविभोर कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

सीआरपीएफअधिकारी बनकर ठगी, रायपुर के डॉक्टर से करीब चार लाख रुपए उड़ाए

रायपुर। राजधानी रायपुर में ठगों ने खुद को सीआरपीएफ का अधिकारी बताकर एक होमियोपैथिक चिकित्सक को झांसे में ले लिया और उनके बैंक खातों से लगभग चार लाख रुपए की धोखाधड़ी कर ली। जवानों के इलाज और सरकारी भुगतान का हवाला देकर आरोपियों ने खाते की जानकारी हासिल की और रकम दूसरे खातों में ट्रांसफर कर दी। घटना की शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार न्यू पुरैना स्थित मारुति रेसिडेंसी निवासी डॉ. शिवकुमार सिंह ने घटना के कुछ ही घंटों के भीतर अपने बैंक खाते ब्लॉक कराए और केंद्रीय साइबर पोर्टल पर शिकायत भी दर्ज कराई। हालांकि तब तक ठगी की राशि निकाल ली गई थी। सीज किए गए खातों में केवल करीब तीन हजार रुपए ही होल्ड हो पाए हैं।

डॉ. सिंह कालीबाड़ी क्षेत्र में होमियोपैथिक क्लिनिक संचालित करते हैं। 29 नवंबर को उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को सीआरपीएफका अफसर बताया और कहा कि कैम्प के लगभग 35 जवानों की मेडिकल जांच और इलाज कराना है। इसके बाद फीस और प्रक्रिया को लेकर चर्चा हुई।

आरोपी ने सरकारी भुगतान के लिए बैंक खाते के वैलीडेशन की बात कही और डॉक्टर से खाता संबंधी जानकारी मांगी। डॉ. सिंह ने अपने एक सहयोगी का नंबर साझा किया, जिस पर कथित अधिकारी ने वीडियो कॉल कर बैंक डिटेल्स सहित अन्य जानकारियां हासिल कीं। इसी दौरान पासवर्ड भी ले लिए गए।

डॉ. सिंह ने पीएनबी और एसबीआई के खातों की जानकारी दी थी। ठगों ने इन दोनों खातों से कुल 3 लाख 98 हजार 984 रुपए ट्रांसफर कर लिए। पुलिस अब मोबाइल नंबरों और बैंक खातों के जरिए आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

सद्गुरू कबीर स्मृति महोत्सव का आयोजन सम्पन्न

रायपुर। सद्गुरू कबीर विश्व शांति मिशन संस्थान द्वारा छत्तीसगढ़ संत संगठन के संयोजकत्व में सद्गुरू कबीर स्मृति महोत्सव का आयोजन एवं आध्यात्म सम्मेलन मेकाहारा सभागार में सुबह 11 से 3 बजे के मध्य सम्पन्न हुआ।

उक्त आयोजन में संत समाज के हजारों श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर संत कबीर के भजनों में डूबकर कार्यक्रम का आनंद लिया। उक्त अवसर पर छत्तीसगढ़ पद्श्री भारती बंधु एवं डॉ. सुरेश ठाकुर सहित अन्य कलाकारों ने संत कबीर के जीवन पर आधारित संदेशों को भजनों में बांधकर उपस्थितजनों को भावविभोर कर दिया। सम्मेलन में विभिन्न समाज के समाजसेवकों को उनके द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में दिए गए उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। कार्यक्रम में दुधाधारी मठ के महंत रामसुंदर दास द्वारा विभिन्न व्यक्तित्वों का सम्मान किया गया। पत्रकारिता के क्षेत्र में आरएनएस एजेंसी के प्रबंध संपादक हर्ष शुक्ला एवं वरिष्ठ पत्रकार आरएनएस आरडी महंत का समाज के संतों द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। उक्त आयोजन में प्रदेश भर से हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर संत कबीर की वाणी को उपस्थित संतों द्वारा न केवल सुना अपितु अपने जीवन में संत कबीर द्वारा दिए गए संदेशों को आत्मसात करने का संकल्प भी लिया।

जो जितना बड़ा घोटाला व भ्रष्टाचार करेगा, वह कांग्रेस में उतना ही आगे बढ़ेगा - देवलाल ठाकुर

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार चैतन्य बघेल की जमानत पर रिहाई के बाद निकाले गए जुलूस पर करारा कटाक्ष किया है। ठाकुर ने कहा कि चैतन्य का जुलूस निकालकर प्रदेश के कांग्रेस नेताओं ने यह साबित कर दिया कि कांग्रेस भ्रष्टाचार के साथ खड़ी है और जो जितना बड़ा घोटाला व भ्रष्टाचार करेगा, वह कांग्रेस में उतना ही आगे बढ़ेगा। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ठाकुर ने कहा कि हजारों करोड़ रुपए के शराब घोटाले में एक ओर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य (बिट्टू) की जमानत पर रिहाई हो गई जबकि दूसरी ओर इसी शराब घोटाला मामले में भूपेश सरकार में मंत्री रहे आदिवासी नेता कवासी लखमा आज भी जेल में बंद हैं।

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR
OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION
e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
2nd call

NIT NO: 852/PWD/Zone-9/2025 RAIPUR DATED: 05/01/2026

Online bids are invited for the following works of works up to Date 2/01/2026 at 17:30 hours.

Sr. No	System Tender No.	Name of Work	Amount of the Estimate	Earnest Money Deposit	Eligible class of contractor /firm	Time allowed for Completi on	SOR Applicable
01	183122	रायपुर ग्रामीण (विधायक निधि) अंतर्गत रानी लक्ष्मी बाई वार्ड क्रमांक-10 सामुदायिक भवन निर्माण कार्य-कुर्मी पारा, मोवा, रायपुर	1500000/-	11250/-	Class-D & above	06 माह	लोक निर्माण विभाग के भवन एस.ओ.बार दि 01.01.2015 में प्रभावतीन एवं निविदा दिनांक तक संगोचित

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 5701/2026 17.30 Hours (IST) on wards.
For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.
NOTE: -
1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 18004199140 or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in
3. कार्य के लिए निविदा शुल्क देना होगा। निविदा शुल्क राशि रु. 750/- मात्र देय डिमांड ड्राफ्ट/बैंकर्स चेक, आयुक्त, नगर पालिक निगम, रायपुर के नाम से होगा तथा वापसी अयोग्य होगी।

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

Zone Commissioner
ZONE-9
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

बिहान से बदली धमतरी की तस्वीर: धमतरी में बढ़ रहा 'लखपति दीदी' का कारवां

'लखपति दीदी' बन रहीं ग्रामीण विकास की नई शक्ति

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत संचालित बिहान योजना के तहत धमतरी जिले में महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण समृद्धि की नई कहानी लिख रही है। कभी सीमित संसाधनों में सिमटी ग्रामीण महिलाएं आज आत्मनिर्भर उद्यमी बनकर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे गांव की आर्थिक दिशा बदल रही हैं। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिले में बिहान योजना का प्रभावी और योजनाबद्ध क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम संबलपुर में क्लस्टर लेवल फेडरेशन (ष्टरुस्न) से जुड़ी महिलाओं से संवाद करते हुए कलेक्टर ने कहा कि महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता ही सशक्त गांव और समृद्ध जिले की आधारशिला है।

बिहान योजना के अंतर्गत धमतरी जिले में अब तक 1,200 से अधिक महिलाएं 'लखपति दीदी' के रूप में चिन्हित की जा चुकी हैं, जो प्रतिवर्ष एक लाख रुपये या उससे अधिक की आय अर्जित कर रही हैं। आगामी वर्ष में इस संख्या को 2,000 से अधिक तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

पारंपरिक नहीं, नवाचारपूर्ण आजीविका की राह- बिहान से जुड़ी महिलाएं अब केवल पारंपरिक कार्यों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि आधुनिक और बाजारोन्मुख आजीविका गतिविधियों में भी सफलता प्राप्त कर रही हैं। इनमें प्रमुख रूप से—

मशरूम उत्पादन एवं सब्जी बाड़ी- डेयरी एवं पशुपालन, ई-रिक्शा संचालन, डेली नीड्स स्टोर एवं किराना दुकान, बिजली सामग्री विक्रय, सेंट्रिंग प्लेट एवं निर्माण सामग्री निर्माण,सिलाई-कढ़ाई, फूड प्रोसेसिंग एवं स्थानीय उत्पाद निर्माण आदि गतिविधियों से महिलाओं की मासिक आय में लगातार वृद्धि हो रही है और वे परिवार की आर्थिक रीढ़ बनती जा रही हैं।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से हरित रोजगार- कलेक्टर ने बताया कि जिले में प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के अंतर्गत महिलाओं को वेंडर के रूप में पंजीकृत करने की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। इसके माध्यम से स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं सोलर पैनल एवं उपकरणों की आपूर्ति, स्थापना और रखरखाव जैसे कार्यों से जुड़ सकेंगी, जिससे उन्हें हरित रोजगार और स्थायी आय का अवसर मिलेगा।

प्रशिक्षण और संस्थागत मजबूती आंचल महिला क्लस्टर संगठन के सर्वसुविधायुक्त समूह भवन का उपयोग प्रशिक्षण, विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन, सामूहिक विपणन और बैठकों के लिए किया जा रहा है। साथ ही महिलाओं को वित्तीय साक्षरता, डिजिटल लेनदेन, बैंक लिंकेज और उद्यम प्रबंधन का नियमित प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

परिवार से समाज तक दिख रहा प्रभाव- बिहान योजना ने महिलाओं को केवल आर्थिक रूप से ही नहीं, बल्कि सामाजिक रूप से भी सशक्त किया है। आज महिलाएं शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और युवाओं के रोजगार जैसे विषयों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं और सामाजिक निर्णयों में उनकी भागीदारी निरंतर बढ़ रही है।

संपादकीय

नियम-कानून की कोई परवाह नहीं

नेशनल हेराल्ड मामले में वैध एफआईआर ही मौजूद नहीं है। क्या ईडी के अधिकारियों को कानून की इतनी बुनियादी जानकारी भी नहीं है? या जब मामला विपक्षी नेताओं से संबंधित हो, तो वे नियम- कानून की कोई परवाह नहीं करते? नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं को राहत मिली, मीडिया की सुर्खियों में इसी पहलू को अहमियत दी गई है। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने जो निर्णय दिया, उसका यह सिर्फ एक पक्ष है। लेकिन यह मूल बात नहीं है। कांग्रेस नेताओं को राहत इसलिए मिली, क्योंकि जज ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चार्जशीट का संज्ञान लेने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने संज्ञान इसलिए नहीं लिया, क्योंकि वह इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि मामले की एफआईआर ही वैध ढंग से दर्ज नहीं हुई है। हुआ यह कि एक व्यक्ति (भाजपा नेता सुब्रह्मण्यम स्वामी) ने निजी तौर पर एफआरआर दर्ज कराई। उसमें कांग्रेस नेताओं पर मनी लॉन्ड्रिंग के इल्जाम लगाए गए। ईडी ने उसी मामले में जारी समन के आधार पर केस अपने हाथ में लेकर में जांच शुरू कर दी। यानी उसने अपनी तरफ से कोई एफआईआर दर्ज नहीं किया। जज विशाल गोगने ने मनी लॉन्ड्रिंग निरोधक कानून की संबंधित धाराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ईडी निजी एफआईआर के आधार पर चार्जशीट तैयार नहीं कर सकती। जज का यही वो निष्कर्ष है, जो ईडी की कार्यशैली को बेनकाब कहता है। सवाल है कि क्या ईडी के अधिकारियों को कानूनी धाराओं की इतनी बुनियादी जानकारी भी नहीं है? या जब मामला विपक्षी नेताओं से संबंधित हो, तो अपने सियासी आकाओं के इशारे पर वे नियम- कानून की कोई परवाह नहीं करते? सत्ताधारी भाजपा और उसके समर्थक नेटवर्क ने वर्षों से नेशनल हेराल्ड मामले को गांधी परिवार के कथित भ्रष्टाचार की मिसाल बता कर प्रचारित किया है। मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी से भी लंबी पूछताछ हुई। मगर अब सामने आया है कि यह सब उस मामले में हुआ, जिसमें एफआईआर ही वैध नहीं थी। सामान्य स्थितियों में कायदे का इस रूप में उल्लंघन करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाती, ताकि भविष्य में अधिकार के ऐसे दुरुपयोग को रोका जा सके। लेकिन मौजूदा माहौल में इसकी उम्मीद करना बेमतलब है। अभी तो संभावना यही है कि ऊपरी अदालत में अपील की आड़ में सारा मामला पृष्ठभूमि में डाल दिया जाएगा।

केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई जामगांव एम: ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार को नया बल

धनंजय राठौर, अशोक कुमार चंद्रवंशी

केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई ग्रामीण रोजगार में वनोपज और औषधीय पौधों के संग्रह, प्रसंस्करण और मूल्य-वर्धन के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था और ग्रामीणों, खासकर महिलाओं, के लिए आय और रोजगार के नए अवसर पैदा करती है। दुर्ग जिला के पाटन विकासखंड के जामगांव एम में स्थापित केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई ग्रामीण रोजगार, वनोपज प्रसंस्करण और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

छत्तीसगढ़ हर्बल ब्रांड' के नाम से बाजार में उपलब्ध- यह इकाई लगभग 111 एकड़ क्षेत्र में विकसित की गई है, जहां छत्तीसगढ़ शासन और राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित के माध्यम से वन क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों से वनोपज और औषधीय पौधों का क्रय, संग्रहण और प्रसंस्करण किया जा रहा है। यहां तैयार किए जा रहे हर्बल उत्पाद 'छत्तीसगढ़ हर्बल ब्रांड' के नाम से बाजार में उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग स्वास्थ्य लाभ के लिए किया जाता है।

प्रसंस्करण इकाई से मिल रहा स्थानीय लोगों को रोजगार- प्रसंस्करण इकाई क्रमांक- 01 में स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित किए गए हैं। यहां आंवला, बेल और जामुन से जूस, कैंडी, लच्छा, मुरब्बा, शरबत, पल्प और आरटीएस पेय जैसे शुद्ध हर्बल उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। इन उत्पादों का विक्रय एनडब्ल्यूएफपी मार्ट और संजीवनी स्टोर के माध्यम से किया जाता है। इस इकाई ने मात्र एक वर्ष में लगभग 44 लाख रुपये मूल्य के उत्पादों का निर्माण और विक्रय कर स्थानीय लोगों की आय बढ़ाने में अहम योगदान दिया है।

20 हजार मीट्रिक टन क्षमता का केंद्रीय वेयरहाउस- इकाई क्रमांक- 02 में चार बड़े गोदाम बनाए गए हैं, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 20,000 मीट्रिक टन है। यहां राज्य के विभिन्न जिलों से प्राप्त वनोपज का सुरक्षित भंडारण किया जाता है। वर्तमान में कोदो, कुटकी, रागी, हर्रा कचरिया, चिरायता, कालमेघ, पलास फूल और साल बीज सहित विभिन्न वनोपज का संग्रह किया गया है। इन उत्पादों का विक्रय संघ मुख्यालय रायपुर द्वारा निविदा प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है। इन दोनों इकाइयों के संचालन से अब तक 5,200 से अधिक मानव दिवस का रोजगार सृजित हो चुका है।

पीपीपी मॉडल पर हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट यूनिट की स्थापना- जामगांव एम में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट की स्थापना की गई है। यह यूनिट छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ और स्फेयर बायोटेक कंपनी के संयुक्त प्रयास से बनी है, जिसका लोकार्पण वर्ष 2025 में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और वन मंत्री श्री केदार कश्यप द्वारा किया गया था। लगभग 6 एकड़ क्षेत्र में बनी इस यूनिट में गिलोय, कालमेघ, बहेड़ा, सफेद मुसली, जंगली हल्दी, गुड़मार, अश्वगंधा और शतावरी जैसे औषधीय पौधों से अर्क निकाला जा रहा है। इन अर्कों का उपयोग आयुर्वेदिक दवाओं और वेलनेस उत्पादों के निर्माण में किया जाता है।

ग्रामीणों और संग्राहकों को स्थायी लाभ- हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट के माध्यम से ग्रामीण संग्राहकों से वनोपज और औषधीय पौधों का पूर्ण क्रय सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे उन्हें उचित मूल्य और नियमित आय मिल रही है। इससे वन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है और नए रोजगार अवसर भी सृजित हो रहे हैं। जामगांव एम की केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई, वेयरहाउस और हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट वनोपज की मूल्यवृद्धि के साथ-साथ ग्रामीणों और संग्राहकों के लिए आजीविका के मजबूत साधन बन रहे हैं।

सोमनाथ: अटूट आस्था के 1000 वर्ष (1026-2026)

नरेंद्र मोदी

सोमनाथ... ये शब्द सुनते ही हमारे मन और हृदय में गर्व और आस्था की भावना भर जाती है। भारत के पश्चिमी तट पर गुजरात में, प्रभास पाटन नाम की जगह पर स्थित सोमनाथ, भारत की आत्मा का शाश्वत प्रस्तुतिकरण है। द्वादश ज्योतिर्लिंग स्तोत्रम में भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों का उल्लेख है। ज्योतिर्लिंगों का वर्णन इस पंक्ति से शुरू होता है...सौराष्ट्रे सोमनाथं च...यानि ज्योतिर्लिंगों में सबसे पहले सोमनाथ का उल्लेख आता है। ये इस पवित्र धाम की सभ्यतागत और आध्यात्मिक महत्ता का प्रतीक है। शास्त्रों में ये भी कहा गया है:

सोमलिङ्गं नरो दृष्ट्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते।
लभते फलं मनोवाञ्छितं मृतः स्वर्गं समाश्रयेत्॥

अर्थात, सोमनाथ शिवलिंग के दर्शन से व्यक्ति अपने सभी पापों से मुक्त हो जाता है। मन में जो भी पुण्य कामनाएं होती हैं, वो पूरी होती हैं और मृत्यु के बाद आत्मा स्वर्ग को प्राप्त होती है।

दुर्भाग्यवश, यही सोमनाथ, जो करोड़ों लोगों की श्रद्धा और प्रार्थनाओं का केंद्र था, विदेशी आक्रमणकारियों का निशाना बना, जिनका उद्देश्य विध्वंस था।

वर्ष 2026 सोमनाथ मंदिर के लिए बहुत महत्व रखता है क्योंकि इस महान तीर्थ पर हुए पहले आक्रमण के 1000 वर्ष पूरे हो रहे हैं। जनवरी 1026 में गजनी के महमूद ने इस मंदिर पर बड़ा आक्रमण किया था, इस मंदिर को ध्वस्त कर दिया था। यह आक्रमण आस्था और सभ्यता के एक महान प्रतीक को नष्ट करने के उद्देश्य से किया गया एक हिंसक और बर्बर प्रयास था।

सोमनाथ हमला मानव इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदियों में शामिल है। फिर भी, एक हजार वर्ष बाद आज भी यह मंदिर पूरे गौरव के साथ खड़ा है। साल 1026 के बाद समय-समय पर इस मंदिर को उसके पूरे वैभव के साथ पुन:निर्मित करने के प्रयास जारी रहे। मंदिर का वर्तमान स्वरूप 1951 में आकार ले सका। संयोग से 2026 का यही वर्ष सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने का भी वर्ष है। 11 मई 1951 को इस मंदिर का पुनर्निर्माण सम्पन्न हुआ था। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में हुआ वो समारोह ऐतिहासिक था, जब मंदिर के द्वार दर्शनों के लिए खोले गए थे।

1026 में एक हजार वर्ष पहले सोमनाथ पर हुए पहले आक्रमण, वहां के लोगों के साथ की गई क्रूरता और विध्वंस का वर्णन अनेक ऐतिहासिक स्रोतों में विस्तार से मिलता है। जब इन्हें पढ़ा जाता है तो हृदय कांप उठता है। हर पंक्ति में क्रूरता के निशान मिलते हैं, ये ऐसा दु:ख है जिसकी पीड़ा इतने समय बाद भी महसूस होती है।

हम कल्पना कर सकते हैं कि इसका उस दौर में भारत पर और लोगों के मनोबल पर कितना गहरा प्रभाव पड़ा होगा। सोमनाथ मंदिर का आध्यात्मिक महत्व बहुत ज्यादा था। ये बड़ी संख्या में लोगों को अपनी ओर खींचता था। ये एक ऐसे समाज की प्रेरणा था जिसकी आर्थिक क्षमता भी बहुत सशक्त थी। हमारे समुद्री व्यापारी और नाविक इसके वैभव की कथाएं दूर-दूर तक ले जाते थे।

सोमनाथ पर हमले और फिर गुलामी के लंबे कालखंड के बावजूद आज मैं पूरे विश्वास के साथ और गर्व से ये कहना चाहता हूं कि सोमनाथ की गाथा विध्वंस की कहानी नहीं है। ये पिछले 1000 साल से चली आ रही भारत माता की करोड़ों संतानों के स्वाभिमान की गाथा है, ये हम भारत के लोगों की अटूट आस्था की गाथा है।

1026 में शुरू हुई मध्यकालीन बर्बरता ने आगे चलकर दूसरों को भी बार-बार सोमनाथ पर आक्रमण करने के लिए प्रेरित किया। यह हमारे लोगों और हमारी संस्कृति को गुलाम बनाने का प्रयास था। लेकिन हर बार जब मंदिर पर आक्रमण हुआ, तब हमारे पास ऐसे महान पुरुष और महिलाएं भी थीं जिन्होंने उसकी रक्षा के लिए खड़े होकर सर्वोच्च बलिदान दिया। और हर बार, पीढ़ी दर पीढ़ी, हमारी महान सभ्यता के लोगों ने खुद को संभाला, मंदिर को फिर से खड़ा किया और उसे पुन: जीवंत किया।

महमूद गजनवी लूटकर चला गया, लेकिन सोमनाथ के प्रति हमारी भावना को हमसे छीन नहीं सका। सोमनाथ से जुड़ी हमारी आस्था, हमारा विश्वास और प्रबल हुआ। उसकी आत्मा लाखों श्रद्धालुओं की भीतर सांस लेती रही। साल 1026 के हजार साल बाद आज 2026 में भी सोमनाथ मंदिर दुनिया को संदेश दे रहा है, कि मिटाने की मानसिकता रखने वाले खत्म हो जाते हैं, जबकि सोमनाथ मंदिर आज हमारे विश्वास का मजबूत आधार बनकर खड़ा है। वो आज भी हमारी प्रेरणा का स्रोत है, वो आज भी हमारी शक्ति का पुंज है।

ये हमारा सौभाग्य है कि हमने उस धरती पर जीवन पाया है, जिसने देवी अहिल्याबाई होलकर जैसी महान विभूति को जन्म दिया। उन्होंने ये सुनिश्चित करने का पुण्य प्रयास किया कि श्रद्धालु सोमनाथ में पूजा कर सकें।

1890 के दशक में स्वामी विवेकानंद भी सोमनाथ आए थे, वो अनुभव उन्हें भीतर तक आंदोलित कर गया। 1897 में चेन्नई में दिए गए एक व्याख्यान के दौरान उन्होंने अपनी भावना व्यक्त की।

उन्होंने कहा, दक्षिण भारत के प्राचीन मंदिर और गुजरात के सोमनाथ जैसे मंदिर आपको ज्ञान के अनगिनत पाठ सिखाएंगे। ये आपको किसी भी संख्या में पढ़ी गई पुस्तकों से अधिक हमारी सभ्यता की गहरी समझ देंगे।

इन मंदिरों पर सैकड़ों आक्रमणों के निशान हैं, और सैकड़ों बार इनका पुनर्जागरण हुआ है। ये बार बार नष्ट किए गए, और हर बार अपने ही खंडहरों से फिर खड़े हुए। पहले की तरह सशक्त। पहले की तरह जीवंत। यही राष्ट्रीय मन है, यही राष्ट्रीय जीवन धारा है। इसका अनुसरण आपको गौरव से भर देता है। इसको छोड़ देने का मतलब है, मृत्यु। इससे अलग हो जाने पर विनाश ही होगा।

ये सर्वविदित है कि आजादी के बाद सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का पवित्र दायित्व सरदार वल्लभभाई पटेल के सक्षम हाथों में आया। उन्होंने आगे बढ़कर इस दायित्व के लिए कदम बढ़ाया। 1947 में दीवाली के समय उनकी सोमनाथ यात्रा हुई। उस यात्रा के अनुभव ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया, उसी समय उन्होंने घोषणा की कि यहीं सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण होगा। अंतत: 11 मई 1951 को सोमनाथ में भव्य मंदिर के द्वार श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए।

उस अवसर पर तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद उपस्थित थे। महान सरदार साहब इस ऐतिहासिक दिन को देखने के लिए जीवित नहीं थे, लेकिन उनका सपना राष्ट्र के सामने साकार होकर भव्य रूप में उपस्थित था।

तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू इस घटना से अधिक उत्साहित नहीं थे। वो नहीं चाहते थे कि माननीय राष्ट्रपति और मंत्री इस समारोह का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि इस घटना से भारत की छवि खराब होगी। लेकिन राजेंद्र बाबू अडिग रहे, और फिर जो हुआ, उसने एक नया इतिहास रच दिया।

सोमनाथ मंदिर का कोई भी उल्लेख के.एम. मुंशी जी के योगदानों को याद किए बिना अधूरा है। उन्होंने उस समय सरदार पटेल का प्रभावी रूप से समर्थन किया था। सोमनाथ पर उनका कार्य, विशेष रूप से उनकी पुस्तक 'सोमनाथ, द श्राइन इटरनल', अवश्य पढ़ी जानी चाहिए।

जैसा कि मुंशी जी की पुस्तक के शीर्षक से स्पष्ट होता है, हम एक ऐसी सभ्यता हैं जो आत्मा और विचारों की अमरता में अटूट विश्वास रखती है। हम विश्वास करते हैं- नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावक:। सोमनाथ का भौतिक ढांचा नष्ट हो गया, लेकिन उसकी चेतना अमर रही।

इन्हीं विचारों ने हमें हर कालखंड में, हर परिस्थिति में फिर से उठ खड़े होने, मजबूत बनने और आगे बढ़ने का सामर्थ्य दिया है। इन्हीं मूल्यों और हमारे लोगों के संकल्प की वजह से आज भारत पर दुनिया की नजर है। दुनिया भारत को आशा और विश्वास की दृष्टि से देख रही है। वो हमारे इनोवेटिव युवाओं में निवेश करना चाहती है। हमारी कला, हमारी संस्कृति, हमारा संगीत और हमारे अनेक पर्व आज वैश्विक पहचान बना रहे हैं। योग और आयुर्वेद जैसे विषय पूरी दुनिया में प्रभाव डाल रहे हैं। ये स्वस्थ जीवन को बढ़ावा दे रहे हैं। आज कई वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए दुनिया भारत की ओर देख रही है।

अनादि काल से सोमनाथ जीवन के हर क्षेत्र के लोगों को जोड़ता आया है। सदियों पहले जैन परंपरा के आदरणीय मुनि कलिकाल सर्वज्ञ हेमचंद्राचार्य यहां आए थे और कहा जाता है कि प्रार्थना के बाद उन्होंने कहा,

भवबीजाङ्कुरजनना रागाद्या: क्षयमुपगता यस्य।

अर्थात, उस परम तत्व को नमन जिसमें सांसारिक बंधनों के बीज नष्ट हो चुके हैं। जिसमें राग और सभी विकार शांत हो गए हैं।

आज भी दादा सोमनाथ के दर्शन से ऐसी ही अनुभूति होती है। मन में एक ठहराव आ जाता है, आत्मा को अंदर तक कुछ स्पर्श करता है, जो अलौकिक है, अव्यक्त है।

1026 के पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद 2026 में भी सोमनाथ का समुद्र उसी तीव्रता से गर्जना करता है और तट को स्पर्श करती लहरें उसकी पूरी गाथा सुनाती हैं। उन लहरों की तरह सोमनाथ बार-बार उठता रहा है। अतीत के आक्रमणकारी आज समय की धूल बन चुके हैं। उनका नाम अब विनाश के प्रतीक के तौर पर लिया जाता है। इतिहास के पन्नों में वे केवल फुटनोट हैं, जबकि सोमनाथ आज भी अपनी आशा बिखेरता हुआ प्रकाशमान खड़ा है। सोमनाथ हमें ये बताता है कि घृणा और कट्टरता में विनाश की विकृत ताकत हो सकती है, लेकिन आस्था में सृजन की शक्ति होती है। करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए सोमनाथ आज भी आशा का अनंत नाद है। ये विश्वास का वो स्वर है, जो टूटने के बाद भी उठने की प्रेरणा देता है। अगर हजार साल पहले खंडित हुआ सोमनाथ मंदिर अपने पूरे वैभव के साथ फिर से खड़ा हो सकता है, तो हम हजार साल पहले का समृद्ध भारत भी बना सकते हैं। आइए, इसी प्रेरणा के साथ हम आगे बढ़ते हैं। एक नए संकल्प के साथ, एक विकसित भारत के निर्माण के लिए। एक ऐसा भारत, जिसका सभ्यतागत ज्ञान हमें विश्व कल्याण के लिए प्रयास करते रहने की प्रेरणा देता है।

जय सोमनाथ !

(नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री हैं और श्री सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष भी हैं।)

इन्दौर की जल-त्रासदी और प्रशासनिक लापरवाही का नंगा चेहरा

ललित गर्ग

स्वच्छता रैंकिंग में लगातार टॉप पर आने वाले इंदौर में दूषित पेयजल की वजह से हुई मौतें कथनी और करनी की असमानता की पौल खोलती भयावह लापरवाही का नतीजा हैं। स्थानीय लोगों का यह आरोप बेहद गंभीर है कि पानी की क्वॉलिटी को लेकर लगातार शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं की गई और दुर्भाग्य से इतनी बड़ी वारदात के बाद भी अदालत को दखल देकर स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था करने का आदेश देना पड़ रहा है। यह केवल एक दुर्घटना नहीं है और न ही इसे तकनीकी खामी कहकर टाला जा सकता है। यह घटना उस व्यवस्था का क्रूर और नंगा सच है, जो स्वच्छता के तमगों से सजी हुई है लेकिन भीतर से सड़ चुकी है। जिस शहर को लगातार सात वर्षों तक देश का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया जाता रहा, वहीं दूषित पेयजल के कारण पंद्रह निर्दोष लोगों की मौत हो जाना पूरे तंत्र पर एक गहरा प्रश्नचिह्न है। यह त्रासदी साबित करती है कि चमकदार रैंकिंग और पुरस्कार जीवन की वास्तविक सुरक्षा का विकल्प नहीं हो सकते। इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति करने वाली पाइपलाइन में सीवर का पानी मिल गया, जिससे हजारों लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया। सौ से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हुए, सैकड़ों बीमार पड़े और अनेक परिवार हमेशा के लिए उजड़ गए। सभ्य समाज में यह कल्पना ही आत्मग्लानि से भर देने वाली है कि जिस पानी को जीवनदायिनी मानकर पिया गया, वही सीवर की गंदगी से मिला हुआ था।

सबसे अधिक पीड़ादायक तथ्य यह है कि यह सब अचानक नहीं हुआ। नागरिकों ने पहले ही दूषित पानी की शिकायतें की थीं। पानी के रंग, गंध और स्वाद में बदलाव की जानकारी दी गई थी, लेकिन नगर निगम, जलप्रदाय विभाग और स्वास्थ्य तंत्र कुंभकर्णी नींद में सोए रहे। प्रशासन तब हरकत में आया जब मौतें हो चुकी थीं। यह लापरवाही नहीं, बल्कि गहरी संस्थागत असंवेदनशीलता, क्रूरता एवं अमानवीयता है। यह उस प्रशासनिक संस्कृति का परिणाम है जिसमें फाइलें और औपचारिकताएं मानव जीवन से अधिक मूल्यवान हो गई हैं। सवाल यह नहीं है कि पानी में सीवर कैसे मिला, असली सवाल यह है कि चेतावनियों के बावजूद इसे रोका क्यों नहीं गया? हर बार की तरह इस बार भी जांच समितियां बनीं, मुआवजे की घोषणाएं हुईं और कुछ अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया। भले ही अपर नगर आयुक्त को इंदौर से हटा दिया है और

प्रभारी अधीक्षण अभियंता से जिम्मेदारी वापस ले ली है। लेकिन, क्या इतना काफी है? इस तरह की 'रूटीन' कार्रवाई जिम्मेदारों को सबक नहीं देतीं, बल्कि पीड़ितों का मजाक बनाती हैं। क्या इन दिखावे की कार्रवाइयों से मृतकों का प्रायश्चित हो गया? क्या इससे भविष्य में ऐसी घटनाएं रुकेंगी? सच्चाई यह है कि जांच समितियां अब जवाबदेही तय करने का नहीं, बल्कि मामले को ठंडा करने का माध्यम बन चुकी हैं।

इस दुखद घटना के बाद राजनीतिक बयानबाजी ने लोगों के घावों को और गहरा किया। जिस क्षेत्र में यह त्रासदी घटी, उसके प्रतिनिधि और राज्य के नगरीय विकास मंत्री, जिनके अधीन पेयजल आपूर्ति का विभाग आता है, उनकी असंवेदनशील टिप्पणियों ने जनता के आक्रोश को बढ़ाया। बाद में खेद प्रकट किया गया, लेकिन सवाल यह है कि खेद से क्या उन परिवारों का भविष्य सुरक्षित हो जाएगा, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया? यह सही है कि उमा भारती जैसी वरिष्ठ नेत्री ने दोषियों से प्रायश्चित और दंड की मांग की, लेकिन देश का अनुभव बताता है कि ऐसी मांगें अक्सर समय के साथ फीकी पड़ जाती हैं। मध्य प्रदेश में डबल इंजन वाली सरकार का खूब प्रचार किया जाता है, लेकिन इंदौर की घटना ने दिखा दिया कि यदि व्यवस्था की पटरियां जर्जर हों, तो इंजन कितने भी हों, दुर्घटना तय है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुधार, क्रियान्वयन और रूपांतरण की बात कही थी और जीवन को सुगम बनाने के लिए प्रणालियों को अधिक अनुकूल बनाने पर जोर दिया था। लेकिन जब नागरिकों को स्वच्छ जल, स्वच्छ हवा, स्वस्थ चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाएं ही सुरक्षित रूप से उपलब्ध न हों, तो जीवनयापन को सुगम बनाने की बात खोखली लगती है। सर्वोच्च न्यायालय बार-बार स्पष्ट कर चुका है कि स्वच्छ पर्यावरण और सुरक्षित जल का अधिकार संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। इंदौर की यह त्रासदी इस अधिकार का खुला उल्लंघन है। यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर पानी में जहरीला पदार्थ मिलाए और उससे लोगों की मौत हो जाए, तो वह गंभीर अपराध माना जाता है। फिर जब प्रशासन की लापरवाही से जहरीला पानी घर-घर पहुंचता है और लोगों की जान जाती है, तो उसे अपराध क्यों नहीं माना जाए? यह गैर-इरादतन हत्या से कम गंभीर मामला नहीं है।

इंदौर की घटना यह भी उजागर करती है कि स्वच्छता रैंकिंग, स्मार्ट सिटी के दावे और चमकदार प्रचार व्यवस्थागत नाकामी को छिपा नहीं सकते। सड़कें साफ हो सकती हैं, दीवारें रंगी जा सकती हैं, लेकिन यदि पाइपलाइनों के भीतर जहर बह रहा है, तो ऐसा विकास जनता के साथ छल है। यह समस्या केवल इंदौर तक सीमित नहीं है। देश के अनेक छोटे-बड़े शहरों में जर्जर पाइपलाइनें, अवैज्ञानिक सीवर व्यवस्था और भ्रष्ट ठेकेदारी तंत्र वर्षों से नागरिकों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। कहीं हैजा फैलता है, कहीं पीलिया, कहीं दस्त और संक्रमण, लेकिन हर बार इसे स्थानीय समस्या कहकर टाल दिया जाता है। अब सवाल यह है कि क्या इंदौर की पंद्रह मौतें भी प्रशासन को जगाने के लिए पर्याप्त नहीं हैं? क्यों नहीं ऐसी घटनाओं को आधार बनाकर प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार और लापरवाही पर सख्त कार्रवाई का बुलडोजर चलाया जाता? आज जब अवैध निर्माणों और गरीब बस्तियों पर बुलडोजर चल सकता है, तो प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्टाचार पर क्यों नहीं? क्यों उन अधिकारियों पर आपराधिक मुकदमे दर्ज नहीं होते, जिनकी अनदेखी से लोगों की जान चली जाती है? क्यों सेवा से बर्खास्तगी और जेल की सजा जैसे कठोर कदम नहीं उठाए जाते?

यह घटना पूरे देश के लिए चेतावनी है। सभी राज्यों और स्थानीय निकायों को पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का गंभीरता से ऑडिट करना चाहिए। मुख्य पाइपलाइनों का नियमित निरीक्षण हो, सीवर और जल आपूर्ति लाइनों के बीच सुरक्षित दूरी सुनिश्चित की जाए और यह स्पष्ट तय हो कि किस स्तर का अधिकारी किस गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार होगा। जवाबदेही केवल कागजों में नहीं, व्यवहार में दिखनी चाहिए। जब तक लापरवाही को अपराध नहीं माना जाएगा और दोषियों को वास्तविक दंड नहीं मिलेगा, तब तक ऐसी त्रासदियां दोहराती रहेंगी। आज भी देश में हर एक लाख आबादी पर औसतन लगभग 35 लोगों की दूषित पेयजल की वजह से जान जाती है। ग्लोबल एवरेज की तुलना में यह लगभग तीन गुना है। बेशक सरकार ने जल जीवन मिशन जैसे अभियान चलाए हैं, जिसकी बदौलत करीब 81 प्रतिशत ग्रामीण घरों में टैप वॉटर पहुंचाने का दावा है, लेकिन अब भी सुधार की बहुत जरूरत है। भारत ने 2047 तक विकसित देशों की कतार में खड़े होने का लक्ष्य रखा है, लेकिन पहले आम लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना होगा। 2050 तक भारत की आबादी 1.7 अरब तक होने का अनुमान है और तब पानी के संसाधनों पर और दबाव पड़ेगा। देश को बेहतर वॉटर मैनेजमेंट के साथ सिस्टम को सुधारने की जरूरत है, तभी इस चुनौती का सामना किया जा सकता है।

इंदौर की घटना केवल शोक व्यक्त करने का विषय नहीं है, यह व्यवस्था परिवर्तन की पुकार है। यदि इसे भी एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसा कहकर भुला दिया गया, तो कल किसी और शहर में, किसी और गली में, कोई और परिवार इसी पीड़ा से गुजरेगा। जनता को अब नारों, पुरस्कारों और रैंकिंग से संतुष्ट नहीं होना चाहिए। उसे सवाल पूछने होंगे, जवाब मांगने होंगे और यह सुनिश्चित करना होगा कि स्वच्छ भारत केवल झाड़ू और प्रचार से नहीं, बल्कि जवाबदेही, ईमानदारी और संवेदनशील प्रशासन से बने। यदि इंदौर की पंद्रह मौतें भी व्यवस्था की नींद नहीं तोड़ सकीं, तो यह मानना पड़ेगा कि गंदगी केवल पानी की पाइपलाइन में नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की नसों में बह रही है।

माघ मेला में कब-कब होगा पवित्र स्नान ?

नए साल ने दस्तक दे दी है और साल 2026 कई मायने में खास होने वाला है। ज्योतिषीय गणना के आधार पर ये साल सूर्य का है। ऐसे में तमाम लोगों की जिंदगी सूर्य की ऊर्जा से प्रभावित होगी। इसी के साथ साल की शुरुआत में पड़ने वाला माघ मेला अब शुरु हो गया है। ऐसे हर साल माघ के महीने में आयोजित किया जाता है। इसकी शुरुआत पौष पूर्णिमा के साथ होती है। हर साल कई लोग संगम नगरी में आकर कल्पवास के लिए रुकते हैं। इस दौरान किया गया दान और स्नान काफी विशेष और फलदायी माना जाता है। बता दें कि इस साल माघ मेले का आयोजन करने के लिए महीनों से तैयारी चल रही थी और अब लगभग 40 दिन से ज्यादा चलने वाले इस मेले में की शुरुआत हो चुकी है। नीचे जानें कि माघ मेला में कौन-कौन सी तिथियां महत्वपूर्ण होने वाली हैं?

इस दिन से शुरू होगा माघ मेला

माघ मेला की शुरुआत 3 जनवरी से हो चुकी है। इसकी शुरुआत पौष पूर्णिमा के पहले स्नान के साथ शुरु हुई, जिसका समापन 15 फरवरी है। इसी दिन महाशिवरात्रि होगी।

3 जनवरी से 15 फरवरी के बीच कई पर्व और त्योहार पड़ने वाले हैं। इसी बीच पवित्र स्नान के लिए कई तिथियां भी पड़ेगी। इस खास अवसर पर लोग प्रयागराज के संगम में आस्था की डुबकी लगाएंगे। बता दें कि 40 दिन से ज्यादा चलने वाले माघ मेला में देश के कोने-कोने से कई लोग आते हैं।

नोट करें पवित्र स्नान की तारीखें

1. पौष पूर्णिमा (3 जनवरी 2026)
2. मकर संक्रांति (14 जनवरी 2026)
3. मौनी अमावस्या (18 जनवरी 2026)
4. बसंत पंचमी (23 जनवरी 2026)
5. माघी पूर्णिमा (1 फरवरी 2026)
6. महाशिवरात्रि (15 फरवरी 2026)

ना करें ये गलतियां

माघ मेले के दौरान कुछ चीजों को करने से बचना चाहिए। इस दौरान छल-कपट से बचें। साथ ही मांस-मदिरा, प्याज और लहसुन जैसे तामसिक भोजन से बचें। हो सके तो इस दौरान सिर्फ सात्विक भोजन ही करें। वहीं स्नान के दौरान मन को शांत रखें। इस दौरान हंसी मजाक करने से बचें। साथ ही कोशिश करें कि किसी के लिए भी मुंह से खराब शब्द ना निकलें। मन में अच्छे विचारों को ही आने दें।

मां पार्वती और गणेश जी की संयुक्त पूजा से मनोकामनाएं पूरी

हर व्यक्ति के जीवन में कुछ ऐसी इच्छाएं होती हैं, जो जल्दी परी हो जाएं, तो अच्छा लगता है - जैसे नौकरी, प्रमोशन, शादी, घर या संतान सुख। कई बार मेहनत के बावजूद काम अटक जाते हैं और मन परेशान रहता है। ऐसे में ज्योतिष और धार्मिक उपाय बहुत मदद करते हैं। मां पार्वती और गणेश जी की संयुक्त पूजा बहुत शक्तिशाली है। गणेश जी विघ्नहर्ता हैं और मां पार्वती दया की देवी। इन दोनों की एक साथ पूजा करने से रुके काम बनते हैं और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। एक बहुत सरल उपाय है, जो घर पर ही किया जा सकता है। इसमें ज्यादा खर्च या मेहनत नहीं लगती, बस श्रद्धा और नियमितता चाहिए। आइए जानते हैं यह उपाय और इसका महत्व।

उपाय की सरल विधि

यह उपाय बहुत आसान है। सबसे पहले गौरा-गणेश की फोटो लाएं, जिसमें मां पार्वती और गणेश जी साथ हों। फोटो को साफ कपड़े से पोंछें। फिर अनामिका उंगली से रोली लेकर फोटो पर सात बार तिलक लगाएं। फोटो को घर के उत्तर-पूर्व कोने (ईशान कोण) में लगाएं। यह दिशा वास्तु में सबसे शुभ है और देवताओं की ऊर्जा बढ़ाती है। रोज सुबह या शाम घी का दीपक जलाएं। दीपक जलाकर मन से अपनी इच्छा बोलें, जैसे 'हे मां पार्वती और गणेश जी, मेरी शादी या नौकरी की बाधा दूर करें।' लंबा मंत्र जरूरी नहीं, बस सच्ची श्रद्धा रखें। यह उपाय 7 से 21 दिन तक करें।

यह उपाय क्यों इतना प्रभावी है

गणेश जी हर कार्य की शुरुआत में पूजे जाते हैं, क्योंकि वे विघ्नहर्ता हैं। मां पार्वती ममता और दया की देवी हैं। दोनों की संयुक्त पूजा से रुके काम तेजी से बनते हैं। उत्तर-पूर्व दिशा में फोटो लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और वास्तु दोष दूर होता है। रोली के 7 बार तिलक लगाने से गुरु ग्रह को मजबूत होता है, जो भाग्य और बुद्धि का कारक है। यह उपाय शादी में देरी, नौकरी की बाधा, प्रमोशन या संतान सुख के लिए विशेष फलदायी है। श्रद्धा से यह उपाय करने पर मां पार्वती और गणेश जी की कृपा शीघ्र मिलती है।

उपाय करते समय रखें इन बातों का ध्यान

फोटो साफ और सम्मानजनक जगह पर लगाएं। तिलक और पूजा सच्चे मन से करें, शक या नकारात्मक भाव ना रखें।

उपाय किसी को नुकसान पहुंचाने की भावना से न करें, वरना उल्टा असर हो सकता है।

रोज दीपक जलाएं और थोड़ा समय प्रार्थना में दें।

घर में साफ-सफाई रखें, सात्विक भोजन लें।

अगर संभव हो, तो शुक्रवार या बुधवार से उपाय शुरू करें।

यह छोटा उपाय श्रद्धा और नियमितता से करने पर जीवन की बड़ी बाधाएं दूर करता है।

शादी में देरी हो या नौकरी ना मिल रही हो, मां पार्वती और गणेश जी की कृपा से सब संभव है।

विश्वास रखें परिणाम जरूर मिलेगा।

सर्दियों में इन टिप्स की मदद से बच्चों का ख्याल रखें

सर्दियों का मौसम छोटे बच्चों के लिए चुनौतियों से भरा हुआ होता है। इस दौरान बच्चे का बीमार होने का डर रहता है और अगर ध्यान ना रखा जाए तो परेशानी थोड़ी ज्यादा बढ़ जाती है। ऐसा इसलिए क्योंकि ठंडी हवाएं और गिरता तापमान उन्हें जल्दी अपनी चपेट में ले लेता है। हालांकि, इस दौरान पेरेंट्स अपने बच्चे का काफी ध्यान रखते हैं, लेकिन इसके बावजूद बच्चा बार-बार बीमार पड़ता है। इसको लेकर पेरेंटिंग कोच अर्चना मलिक ने इंस्टाग्राम पर अपनी वीडियो के जरिए बताया है कि पेरेंट्स देखभाल के दौरान अक्सर कई ऐसी गलतियां कर बैठते हैं जो उन्हें बीमार डालने का काम करती है। वो गलतियां क्या हैं आइए इस लेख में विस्तार से जानते हैं।

जरूरत से ज्यादा गर्म कपड़े पहनाना- ठंड से बचाने के लिए अक्सर बच्चों को बहुत मोटे और ज्यादा कपड़े पहनाए जाते हैं। लेकिन ऐसा करना ठीक नहीं है क्योंकि इससे उन्हें पसीना आ सकता है और ठंड लग सकती है।

हीटर के पास रखना

पेरेंट्स बच्चे को हीटर के एकदम पास रख देते हैं। ऐसा करने से उन्हें लगता है कि बच्चा ठंड से बचा रहेगा। लेकिन, ऐसा करने से बच्चे की स्किन जल सकती है और सांस लेने में भी परेशानी हो सकती है।

आप क्रीम लगाएं

सर्दियों में स्किन बहुत रूखी हो जाती है। इसलिए बच्चे की स्किन को मुलायम बनाने के लिए आप क्रीम लगाएं, क्योंकि रूखापन बच्चे की स्किन लाल कर सकते हैं।

रोज नहलाना

बच्चे अक्सर गंदगी करते हैं और उनके अंदर से बदबू आने लगती है। इसलिए कई पेरेंट्स बच्चे को नहलाने लगते हैं, लेकिन आप ऐसा ना करें क्योंकि ऐसा करने से बच्चा बीमार हो सकता है। बेहतर है कि आप हल्के गीले कपड़े से बच्चे को साफ कर दें।

ठंडा दूध पिलाना-

बच्चे को ऊपर का दूध पिलाते वक्त हल्का गर्म कर लें। इससे बच्चा ठंड से बचा रहेगा और वो बीमार नहीं पड़ेगा। हालांकि, कई पेरेंट्स बच्चे को ठंडा दूध पिलाने की गलती कर देते हैं।

घर पर बनाएं इमली की चटपटी कैंडी

क्या आपको याद है बचपन वाली इमली की कैंडी। करीब सभी लोगों ने इमली की यह चटपटी कैंडी जरूर खाई होगी। हमारे बचपन में ही नहीं बल्कि इस कैंडी का जलवा आज भी कायम है। बच्चों के साथ-साथ बड़ों को भी यह कैंडी खूब पसंद आती है। इसके खट्टे-मीठे स्वाद में एक मैजिक है जो हर किसी को दीवाना बना देती है। इस कैंडी को घर पर बनाना बहुत ही आसान है। चलिए आपको इसकी रेसिपी बताते हैं।

बनाने की सामग्री

- इमली – 250 ग्राम (बीज निकालकर)
- गुड़ – 150 ग्राम (कद्दूकस)
- चीनी – 2 टेबल स्पून
- काला नमक – 1 टीस्पून
- लाल मिर्च पाउडर – 1/2 टीस्पून
- जीरा पाउडर – 1 टीस्पून
- तेल – थोड़ा सा

बनाने की विधि

सबसे पहले इमली को भिगोएं। अब इस इमली को हल्के गुनगुने पानी में 15 मिनट तक भिगोकर नरम करें। अब इसमें से बीज को पूरी तरह निकाल लें। अब इमली को मिक्सर में डालकर इसका पेस्ट तैयार कर लें। अब इस पेस्ट में गुड़, चीनी, काला नमक, जीरा पाउडर और लाल मिर्च पाउडर मिलाकर इसका मिश्रण तैयार कर लें। इसके बाद इस मिश्रण को एक नॉन-स्टिक पैन में डाल लें। अब इसे धीमी आंच पर कम से कम 5-7 मिनट तक पका कर गाढा करें। इसके बाद अब अपनी हाथों पर हल्का तेल लगाएं। इस मिश्रण को ठंडा होने के बाद छोटे-छोटे गोले या स्टिक का आकार दें। आकार देने के बाद इन्हें प्लेट में रखकर 1-2 घंटे हवा में सुखा लें।

इसके बाद अब इसे एयरटाइट डिब्बे में स्टोर कर लें।

चकला बेलन साफ करने का तरीका

चकला बेलन के बिना गोल रोटी बनाना वाकई बहुत मुश्किल काम है। यही वजह है कि लगभग हर घर में रोटी बनाने के लिए रोजाना चकला बेलन का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में इसकी हाइजीन पर ध्यान देना बेहद जरूरी हो जाता है, खासतौर पर लकड़ी के चकले की देखभाल करना। दरअसल, लकड़ी के चकले में जल्दी बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। अगर इसे सही तरीके से साफ ना किया जाए तो गंदगी आटे के साथ रोटी में भी जा सकती है। इसलिए चकला बिल्कुल साफ रखें और इसपर चिपका आटा बहुत ही ध्यान से साफ करें। कई बार इसे हटाने के चक्कर में चकला बेकार हो जाता है और इस पर गहरे निशान आ जाते हैं। चकला सफाई के लिए आप हमारे बताए गए टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

चाकू की पिछली साइड का इस्तेमाल- चकला बेलन पर जमे सूखे आटे को हटाने के लिए सूखे ब्रश या चाकू की पिछली साइड का इस्तेमाल करें। इसका इस्तेमाल आपको हल्के-हल्के करना है।

गर्म पानी में भिगोएं- इसके बाद आप चकला बेलन गर्म पानी में भिगोकर रख सकते हैं। पानी में नींबू का रस डाल देंगे तो बदबू से छुटकारा मिल जाएगा।

कपड़े का इस्तेमाल- अगर आप जल्दी में हैं और रोटी बनाई जा रही है तो सूखा आटा हटाने के लिए गीले कपड़े का इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे चकला बहुत ही आसानी से साफ हो जाएगा।

बेकिंग सोडा डालकर छोड़ दें- चकला बेलन को साफ करने के बाद या रोटी बनाने के लिए बेकिंग सोडा का इस्तेमाल करें। इसे आप ऊपर डालकर छोड़ भी सकते हैं।

धूप में सुखाएं- साफ करने के बाद चकला बेलन धूप में सुखाने के लिए रख दें। इससे लकड़ी की नमी खत्म हो जाएगी और इस पर रोटी चिपकेगी नहीं।

योग करने का सही समय सुबह

योग करने का सही समय सुबह का होता है। लेकिन कुछ योगा पोज अगर आप शाम को करते हैं, तो ये ना केवल आपकी थकी हुई मसल्स को रिलैक्स करने के काम करेंगे। बल्कि मेंटली भी रिलैक्स करने में मदद करेंगे। दरअसल, तनाव और स्ट्रेस की वजह से शरीर की कई मसल्स स्ट्रेन होती है। इन स्ट्रेन हुई मसल्स को रिलैक्स करने के लिए शाम को ये योगासन करें।

बालासन

चाइल्ड पोज बैक, हिप्स और जांघ की मसल्स को स्ट्रेच करते हैं। इन एरिया में सबसे ज्यादा स्ट्रेस ट्रैप होता है। दिनभर काम के तनाव को दूर करना है तो बालासन करें। ये स्पाइन को स्ट्रेच करता है और नर्वस सिस्टम को शांत करने में मदद करता है।

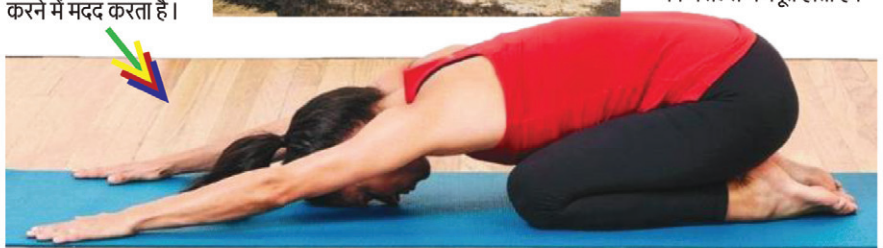

अधोमुख स्वानासन

ये योगासन पूरी बॉडी को स्ट्रेच करने में मदद करता है। खासतौर पर हेमस्ट्रिंग, पिंडलियों और बैक की मसल्स में हो रही टाइटनेस को दूर करता है। जिससे बॉडी में ट्रैप टेंशन दूर होती है। साथ ही हाथ और कंधे की मसल्स मजबूत होती है।

कैट-काउ पोज

ये योगासन रीढ़ की हड्डी को स्ट्रेच करने में मदद करता है। साथ ही कंधे, पीठ और गर्दन की मसल्स में ट्रैप टेंशन को दूर करता है। यहीं नहीं बॉडी को वार्मअप करने और स्पाइनल फ्लैक्सिबिलिटी में मदद करता है।

वॉल पोज

कमर और पैरों की मसल्स को राहत देने के लिए वॉल पोज बेस्ट है। ये लोअर बैक में होने वाले दर्द में भी राहत देता है। अगर आप लंबे टाइम तक चलते या खड़े होकर काम करते हैं तो इससे पैरों को आराम मिलता है और ब्लड का फ्लो, सर्कुलेशन भी मेंटेन होता है।

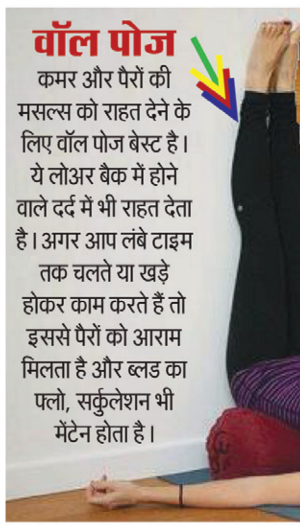

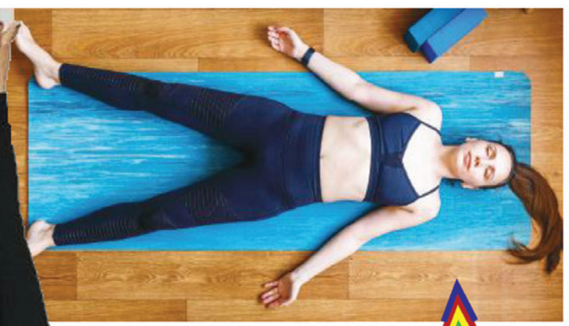

शवासन

सबसे आखिर में बॉडी के साथ माइंड को रिलैक्स करने के लिए शवासन करें। रोजाना पांच से दस मिनट तक जमीन पर लेटकर ब्रीदिंग पर फोकस करें। और माइंड में किसी भी तरह ही टेंशन, स्ट्रेस को ना आने दें। इससे बॉडी के साथ माइंड रिलैक्स होता है।

पश्चिमोत्तासन

घंटों बैठने या खड़े होने के बाद बॉडी को रिलैक्स करने के लिए ये योगासन बेस्ट है। इससे हेमस्ट्रिंग, लोअर बैक और पिंडलियों की मसल्स में स्ट्रेचिंग होती है और माइंड शांत होता है। जिससे एंजायटी दूर होती है और शाम के वक्त रिलैक्स महसूस होता है।

संक्षिप्त समाचार

सारँगढ़ नगरपालिका में बवाल... तहसीलदार के समझाइस के बाद मामला शान्त

सारँगढ़ बिलाईगढ़ -टारजन महेश (समय दर्शन) सारँगढ़ नगरपालिका सीएमओ कार्यलय में निम्न मांगो को लेकर पार्षद और वार्डवासियों ने धरने पर बैठे - वार्डवासियों ने नाली सफाई और पीने के पानी को लेकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया आक्रोशित वार्डवासियों घण्टो भर जमीन पर बैठकर विरोध प्रदर्शन और नारे बाजी करते रहे ,मौके पर सीएमओ साहब लगातार समझाइस देते रहे लेकिन आक्रोशित वार्डवासियों नारेबाजी जारी रहा ततपश्चात तहसीलदार के आश्वासन के बाद मामला विरोध प्रदर्शन शांत हुआ तहसीदार प्रकाश पटेल ने कहा नियमित नाली की सफाई किया जाएगा पानी की व्यवस्था की जाएगी। शुभम बाजपेयी वार्ड पार्षद ने साफशब्दों में चेतावनी दी कि अगर नगर की नालीयो की साफ सफाई नही किया जाता है तो आगामी दिनों में भूख हड़ताल में बैठेंगे नगर हित के लिए जेल भी जाना पड़ेगा तो जाएंगे हमारी मांग लगातार नगर हितों के लिए होगा सीएमओ ज्ञान कुंज कुलमित्र - ने कहा नगर साफसफाई को लेकर पार्षद और वार्डवासियों ने कार्यलय में धरना प्रदर्शन किया आगे कल सुबह निरीक्षण के लिए जाऊंगा और नाली को बेहतर साफसफाई किया जाएगा ,पानी की भी समुचित व्यवस्था किया जाएगा।

धान तौलिया हमालों को टी-शर्ट वितरण किया गया, गोबरसिंहा धान खरीदी केंद्र में हमाल दिखेंगे ड्रेस कोड में

सरिया/बरमकेला-। सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के बरमकेला विकासखण्ड अंतर्गत धान उपार्जन केन्द्र सेवा सहकारी समिति मर्यादित गोबरसिंहा पं.क्र.1551 के हमाल भी अब ड्रेस कोड में नजर आयेंगे. समिति के प्राधिकृत अधिकारी मुरलीधर पटेल की पहल पर धान खरीदी में कार्यरत सभी हमालों के लिए एक ही रंग का टी-शर्ट बनवाया गया और सोमवार को समिति कार्यालय में मुख्य अतिथि सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला भाजपा के उपाध्यक्ष स्वप्निल स्वर्णकार,विशिष्ट अतिथि सरिया मण्डल भाजपा के अध्यक्ष प्रदीप सतपथी,पूर्व महामंत्री द्वय चूड़ामणि पटेल एवं राधामोहन पाणिग्राही,उपाध्यक्ष नवीन प्रधान,ग्राम गोबरसिंहा के गौटिया हृदयराम पटेल,सुदामा पटेल के कर कमलों से 55 धान तौलिया मजदूरों को दो-दो टी-शर्ट भेंटकर सम्मानित किया गया। प्राधिकृत अधिकारी मुरलीधर पटेल एवं प्रबंधक मीनकेतन डनसेना ने बताया कि मजदूर भाईयों की परिश्रम व समर्पण अमूल्य है.उनकी कड़ी मेहनत को सम्मानित करके आज हमें गौरवान्वित महसूस हो रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला भाजपा उपाध्यक्ष स्वप्निल स्वर्णकार ने धान खरीदी कार्य में मजदूरों के योगदान को सराहा. श्री स्वर्णकार ने कहा कि मजदूर का पसीना मोती के समान है.मजदूर समाज की खुशहाली के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर देता है. उन्होंने सेवा सहकारी समिति मर्यादित गोबरसिंहा द्वारा आयोजित इस सम्मान कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की

20 मवेशियों को कत्लखाना ले जाते आरोपी पकड़ाया

कवर्धा। थाना -पाण्डातराई पुलिस को थाना क्षेत्राअंतर्गत अपराध पर अंकुश लगाने धर्मेन्द्र सिंह (भा.पु.से.) के दिशा निर्देश में अति. पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल (रा.पु.से.) व अमित कुमार पटेल (रा.पु.से.) व पुलिस अनुविभागीय अधिकारी अखिलेश कुमार कौशिक (रा.पु.से.) बोडला के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी पाण्डातराई कमलाकांत शुक्ला के नेतृत्व में पाण्डातराई पुलिस द्वारा वर्षभर अवैध शराब,जुआ,सट्टा व अन्य अपराधिक गतिविधियों के विरूद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही किया गया। अपराध में पूरी तरह अंकूश रहा । आज दिनांक 04.01.2026 को प्रार्थी- रोहित यादव निवासी ग्राम डोंगरिया कला थाना थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 03.01.2026 के दरम्यानी रात्रि इसके घर कोठा में खुंटे से बंधे एक नग मवेशी भैसा को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है कि रिपोर्ट पर थाना पाण्डातराई में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में ?लिया गया विवेचना दौरान चोरी गये मवेशी एवं आरोपी की पतातलाश किया गया।

कलेक्टर ने ली धान खरीदी नोडल, समिति प्रबंधक एवं ट्रस्टेड पर्सन की बैठक

खरीदी में पारदर्शिता और रकबा समर्पण में तेजी लाने के दिए निर्देश

मुंगेली(समय दर्शन)जिले में पारदर्शी, सुव्यवस्थित एवं निष्पक्ष धान खरीदी व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से कलेक्टर कुन्दन कुमार ने आज जिला कलेक्टोरेट स्थित जनदर्शन कक्ष में नोडल अधिकारियों, समिति प्रबंधकों एवं ट्रस्टेड पर्सन की समीक्षा बैठक ली। बैठक में धान खरीदी के सफलतापूर्वक डेढ़ माह से अधिक पूर्ण होने पर कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी तथा शेष अवधि में भी पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और लगन के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि बेहतर और उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कृत भी किया जाएगा।

कलेक्टर ने रकबा समर्पण की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए जिन समितियों में रकबा समर्पण की प्रक्रिया धीमी पाई गई, वहां तेजी लाने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने दो टूक कहा कि धान खरीदी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता या गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारियों को उन्होंने शासन के निर्देशों के अनुरूप कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि वास्तविक किसानों को ही लाभ मिले और शासन के हित सुरक्षित रहें। उन्होंने कहा कि अवैध धान के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाएगी और पारदर्शी धान खरीदी सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कलेक्टर ने धान उपार्जन केंद्रों से लेकर परिवहन मार्ग तक सख्त निगरानी रखने तथा अवैध धान खपाने वाले कोचियों एवं बिचौलियों पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष सतर्क ऐप एवं कमांड सेंटर के माध्यम से धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया की जिला एवं राज्य स्तर पर बारीकी से मॉनिटरिंग की जा रही है और किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने समितियों में बिना गेट पास के प्रवेश पर प्रतिबंध, प्रवेश के समय जीपीएस की सक्रियता सुनिश्चित करने तथा निर्धारित प्रक्रिया का पूर्ण पालन करते हुए पारदर्शी धान खरीदी करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने राजस्व अधिकारियों से टोकन सत्यापन की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि टोकन जारी करने से लेकर धान खरीदी तक प्रत्येक चरण में सघन जांच एवं सत्यापन अनिवार्य रूप से किया जाए। धान खरीदी से संबंधित जो भी एलर्ट प्राप्त हों, उन्हें गंभीरता से लेते हुए त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही की जाए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय, अपर कलेक्टर जी.एल. यादव, मुंगेली एसडीएम अजय शतरंज सहित सहकारिता, खाद्य, विपणन एवं सीसीबी के नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले में धान खरीदी व उठाव सुव्यवस्थित तरीके से जारी

डीओ जारी करने में राज्य में जिला तीसरे स्थान पर

मुंगेली(समय दर्शन) जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 अंतर्गत धान खरीदी एवं किसानों को समयबद्ध भुगतान की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए जिला प्रशासन पूरी तत्परता से कार्य कर रहा है। प्रशासनिक प्रयासों का परिणाम है कि धान खरीदी, उठाव और भुगतान के क्षेत्र में मुंगेली जिला राज्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। जिले के 66 सहकारी समितियों के 105 उपार्जन केन्द्रों में 01 लाख 10 हजार 919 पंजीकृत किसानों में से 64 हजार 510 किसानों से धान की खरीदी की जा चुकी है। इस दौरान 727 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का लगभग 31 लाख क्विंटल धान उपार्जित किया गया है। खरीदी किए गए धान में 36 हजार 460 सीमांत किसान, 25 हजार 846 लघु किसान तथा 2 हजार 204 दीर्घ किसान शामिल हैं, जो शासन की किसान-हितैषी नीति को दर्शाता है।

जिले में अब तक लगभग 30 लाख क्विंटल धान के उठाव हेतु डीओ जारी किया जा चुका है, जो कुल खरीदी का 99.40 प्रतिशत है। इसके साथ ही अब तक 20 लाख क्विंटल धान का उठाव कार्य भी पूर्ण किया जा चुका है। डीओ जारी करने के मामले में मुंगेली जिला पूरे राज्य में तृतीय स्थान पर है, जो जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों के समन्वित प्रयासों का प्रमाण है। किसानों को उनकी उपज का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। भुगतान प्रक्रिया को सुगम बनाने हेतु बैंकों में काउंटरों की संख्या बढ़ाई गई है, साथ ही एटीएम एवं चेक के माध्यम से भी भुगतान किया जा रहा है, जिससे किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

कलेक्टर ने किसानों से अपील की है कि वे केवल अपने वास्तविक धान का ही विक्रय करें। शासन पंजीकृत किसानों से उनके रकबा का 1-1 दाना खरीदी के लिए प्रतिबद्ध है, किंतु बाहरी अथवा कोचिया-बिचौलियों के बहकावे में आकर धान विक्रय करना कानूनन अपराध है। इससे न केवल शासन को आर्थिक क्षति होती है, बल्कि यह गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि धान खरीदी प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ संचालित किया जा रहा है, ताकि जिले के प्रत्येक पात्र किसान को उसकी उपज का उचित मूल्य समय पर प्राप्त हो सके।

कलेक्टर ने बी.आर. साव स्कूल का किया औचक निरीक्षण, अव्यवस्था एवं साफ-सफाई की कमी पर जताई नाराजगी

उप प्राचार्य सहित एच.एम. व व्याख्याताओं को नोटिस जारी करने के दिए निर्देश

मुंगेली(समय दर्शन)कलेक्टर ने जिला मुख्यालय स्थित बी.आर. साव शासकीय विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय परिसर में साफ-सफाई की स्थिति, कक्षाओं में अव्यवस्था एवं मूलभूत सुविधाओं की कमी पाए जाने पर उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त की। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि विभिन्न विषयों की पाठ्य-पुस्तकों का समुचित वितरण विद्यार्थियों को नहीं किया गया है। इस पर कलेक्टर ने संबंधितों को कड़ी फटकार लगाते हुए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर उनकी शिक्षा सहित मूलभूत सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। विद्यार्थियों ने विद्यालय में शौचालय एवं पेयजल की समस्या, टूटी खिड़कियां तथा बच्चों से साफ-सफाई कराए जाने की बात बताई। इन सभी कमियों को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने तत्काल सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उप प्राचार्य राजेन्द्र क्षत्री, प्रधान पाठिका शकुंतला राजपूत एवं व्याख्याता अनीता दीक्षित को विद्यालय में साफ-सफाई एवं व्यवस्था में लापरवाही पाए जाने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त व्याख्याता दिनेश कुमार घोसले को पाठ्य-पुस्तकों का उचित एवं समय पर वितरण सुनिश्चित नहीं किए जाने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें मन लगाकर अध्ययन करने, बेहतर प्रदर्शन करने एवं जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने ग्रीष्मकालीन कक्षाओं एवं कौशल विकास से संबंधित प्रशिक्षण की मांग रखी, जिस पर कलेक्टर ने सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विद्यालय में निर्माणाधीन नए विज्ञान प्रयोगशाला की कार्यप्रगति का भी जायजा लिया एवं कार्य को पूरी गुणवत्ता के साथ समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

वरिष्ठ अधिवक्ता स्व.विनोद चावड़ा के कार्य किए गए याद

पुण्यतिथि पर स्कूली बच्चों को न्यौता भोज कराकर बेहतर शिक्षा के लिए किया प्रेरित

दुर्ग (समय दर्शन)। पद्मनाभपुर निवासी वरिष्ठ अधिवक्ता स्व. विनोद चावड़ा की सोमवार को 5वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर स्व. चावड़ा की स्मृति में नवीन प्राथमिक शाला पद्मनाभपुर में न्यौता भोज का आयोजन किया गया। जहां स्कूली बच्चों को न्यौता भोज करवा कर स्व.चावड़ा द्वारा न्यायिक क्षेत्र के अलावा सामाजिक, धार्मिक एवं जनहित में किए गए कार्यों से बच्चों को अवगत कराया गया। तत्पश्चात स्कूली बच्चों को उपहार स्वरुप पाठ्य सामग्रियों का वितरण कर उन्हें बेहतर शिक्षा हासिल कर देश व समाज का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया गया। यह न्यौता भोज कार्यक्रम स्कूली बच्चों के लिए प्रेरणादायी बना। कार्यक्रम में अधिवक्ता स्व. विनोद चावड़ा को श्रद्धासुमन अर्पित करने उनके पारिवारिक सदस्यों के अलावा उनसे जुड़े गणमान्य नागरिक जुटे और स्व. चावड़ा के कार्यों को याद कर वे भावुक हुए बगैर नहीं रहे। स्कूली बच्चों को न्यौता भोज में अधिवक्ता स्व. विनोद चावड़ा के भाई दीपक चावड़ा, भरत चावड़ा,बहू भावना चावड़ा, पायल चावड़ा, पूजा चावड़ा, स्कूल की प्रधानपाठिका किरण राजपूत, शिक्षिका श्रीमती गुप्ता, श्रीमती वासनीकर, श्रीमती सिन्हा, सरिता बाई ने सेवा देकर आयोजन को यादगार बना दिया।

नागरिक सहकारी बैंक के 16 समूहों में होंगे चुनाव, 11 को मतदान, प्रत्यायुक्त सदस्य पद के 32 प्रत्याशी चुनाव में आजमाएंगे अपना भाग्य

दुर्ग (समय दर्शन)।नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित दुर्ग के 16 समूहों में प्रत्यायुक्त सदस्य पद के लिए चुनाव होंगे। जिनमें समूह क्रमांक-20, 47, 63, 75, 81, 93, 96, 98, 102, 105, 106, 107, 111, 113, 116, 117 शामिल है। इन 16 समूहों के चुनाव के लिए कुल 32 प्रत्याशी अपना भाग्य आजमाएंगे। प्रत्याशियों की यह स्थिति सोमवार को नामांकन वापसी की प्रक्रिया खत्म होने के बाद स्पष्ट हुई है। नामांकन वापसी के दिन सोमवार को दो प्रत्याशियों ने अपना नामांकन वापस लिया। जिसमें समूह क्रमांक-1 के प्रत्याशी अखिलेश अग्रवाल और समूह क्रमांक-14 के प्रत्याशी अब्दुल गफ्फार रिजवी के नाम शामिल है। बता दें कि नागरिक सहकारी बैंक के कुल 117 समूहों में चुनाव के लिए अधिसूचना जारी की गई थी। जिसके लिए कुल 154 प्रत्याशियों द्वारा नामांकन दाखिल किए गए थे। जिनमें से 143 नामांकन वैध पाए गए थे। नामांकन वापसी की मियाद खत्म होने पर इन 117 समूहों में से 80 समूहों में प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए है। इसके अलावा 21 समूहों में किसी भी प्रत्याशी द्वारा नामांकन दाखिल नहीं किए गए थे। 16 समूहों में निर्वाचन की स्थिति बनी है। मतदान 11 जनवरी को श्री गुर्जर क्षत्रिय गुजराती समाज भवन, मोतीपारा में किए जाएंगे। मतदान के लिए प्रात: 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। मतदान सम्पन्न होने के एक घण्टे के पश्चात उसी स्थान पर मतगणना की जाएगी।

ब्रह्माकुमारीज आनंद सरोवर बघेरा में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक पर्व छेरछेरा पुन्नी का आयोजन

दुर्ग (समय दर्शन)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के बघेरा स्थितआनंद सरोवर के कमला दीदी सभागार में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक पर्व छेरछेरा पुन्नी का आयोजन किया गया । इस अवसर पर दुर्ग संसदीय क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद विजय बघेल,दुर्ग नगर निगम के महापौर श्रीमती अलका बाघमार,संजय बोहरा,सुनीता बोहरा एवं अनेक गणमान्य नागरिकगण इस आयोजन में सम्मिलित हुए। आगंतुक अतिथियों का पारंपरिक गीतों एवं मनमोहक नृत्य के द्वारा चयन,विवेक और तरुण भाई ने स्वागत किया ।

अतिथियो का ब्रह्मकुमारी बहनों ने पुष्प गुच्छ से स्वागत किया तत्पश्चात ब्रह्माकुमारीज दुर्ग की संचालिका रीटा दीदी ने छेरछेरा पुन्नी पर्व के विषय में अपने उद्बोधन में बताया छत्तीसगढ़ के लोकपर्व छेरछेरा पुन्नी की शुरुआत कलचुरी राजवंश के राजा कल्याण साय के समय हुयी। राजा कल्याण साय राजनीतिक और युद्ध कला की शिक्षा लेने के लिए अकबर की सल्तनत में दिल्ली गए थे। वे लगभग आठ वर्षों तक अपने राज्य रतनपुर से दूर रहे। जब राजा कल्याण साय आठ वर्षों के बाद वापस रतनपुर लौटे, तो उनकी प्रजा बहुत उत्साहित हुई । प्रजा ने ढोल-बाजे और लोक-गीतों के साथ राजा का भव्य स्वागत किया। राजा की अनुपस्थिति में उनकी पत्नी रानी फुलकेना ने राजकाज संभाला था और वे भी अपने पति को इतने लंबे समय बाद देखकर बहुत खुश थीं। प्रजा के इस असीम प्रेम और खुशी को देखकर, रानी फुलकेना ने प्रजा को सोने चांदी के सिक्के दान किये और हर वर्ष इस दिन को एक त्योहार के रूप में मनाने का आदेश दिया।

चूंकि यह वह समय था जब किसान अपनी नई फसल काटकर और मिसाई करके अनाज अपने घरों के भंडार (कोठी) में रख चुके होते थे, इसलिए इस दिन को फसल उत्सव और दान के पर्व के रूप में भी मनाया जाने लगा। लोग खुशी-खुशी एक-दूसरे को और जरूरतमंदों को अन्न दान करते हैं। इसी कारण इस दिन बच्चे और बड़े घर-घर जाकर छेरछेरा, माई कोठी के धान ला हेर हेरा (अर्थात: छेरछेरा, माँ कोठी से धान निकालो) कहते हुए दान मांगते हैं।

जनश्रुति है कि एक समय धरती पर घोर अकाल पड़ी। अन्न, फल, फूल व औषधि नहीं उपज पाई। इससे मनुष्य के साथ जीव-जंतु भी हलाकान हो गए। सभी ओर त्राहि-त्राहि मच गई। ऋषि-मुनि व आमजन भूख से थर्रा गए। तब आदि देवी शक्ति शाकंभरी की पुकार की गई। शाकंभरी देवी प्रकट हुई और अन्न, फल, फूल व औषधि का भंडार दे गई। इससे ऋषि-मुनि समेत आमजनों की भूख व दर्द दूर हो गया। इसी की याद में छेरछेरा मनाए जाने की बात कही जाती है।

दुर्ग सांसद विजय बघेल ने छत्तीसगढ़ के पारंपरिक और ऐतिहासिक पर्व पर उपस्थित सभी सभाजनों को अपनी ढेर सारी शुभकामनाएं दी साथ ही कहा कि वर्तमान समय ब्रह्मकुमारी बहनों द्वारा लुप्त होते इस पर्व को बहुत ही सुंदर ढंग से मना रहे हैं । जिसके लिएसभी को ढेर सारी बधाई एवं शुभकामनाएं ।

दुर्ग नगर निगम के महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने छत्तीसगढ़ी में बोलते हुए कहा कि आनंद सरोवर के इस प्रांगण में कदम रखते हुए शांति की अविरल प्रकंपन की अनुभूति होती है । छत्तीसगढ़ के बहुत सारे पारंपरिक पर्व को आज की पीढ़ी भूलते जा रही है । ब्रह्मकुमारी बहनों का हृदय से धन्यवाद जिन्होंने इस पर्व को सुंदर ढंग से मनाने की शुरुआत की है । जैसे हर राज्य में फसल की कटाई के पश्चात त्यौहार मनाते हैं जैसे पंजाब में फसल कटाई के पश्चात त्यौहार मनाते हैं उसी प्रकार छत्तीसगढ़ में भी धान कटाई के पश्चात यह छेरछेरा पुन्नी पर्व मनाया जाता है । यह पर्व दान देने से भंडार भरने का याद दिलाता है । श्रीमती सुनीता बोहरा (उपाध्यक्ष स्काउट गाइड छत्तीसगढ़ राज्य) ने सभी अतिथियों के प्रति आभार जताया एवं कहा कि छत्तीसगढ़ का पारंपरिक पर्व छेरछेरा पुन्नी हमें दान देने के परंपरा का याद दिलाता है । ब्रह्माकुमारीज में भी कहा जाता है कलयुग बदल सतयुग अभी निकट भविष्य में आने वाला है जहां सब धन-धान्य से भरपूर एवं संपन्न होंगे । यह पर्व हमें लेने के बजाय देना सिखाता है । जितना हम औरों को देते हैं उतना ही स्वयं संपन्नता का अनुभव करते हैं ।

मंच संचालन करते हुए ब्रह्माकुमारी चैतन्य प्रभा ने छेरछेरा पुन्नी पर्व की बहुत सुंदर कविता सभी को सुनायी ।

खबर-खास

30 लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ आरोपी को किया गया गिरफ्तार

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले में पुलिस का नशे के विरूद्ध एक विशेष अभियान नया सवेरा के अंतर्गत अवैध शराब बेचने, पिलाने व अन्य नशीली पदार्थों पर कार्यवाही हेतु वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को निर्देश दिया गया था जिसके परिपालन में समस्त थाना प्रभारी द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रांतर्गत मुखबीर एवं पेट्रोलिंग सक्रिय किया गया है इसी दरमियान कोतवाली प्रभारी को जरिये मुखबीर सूचना के आधार पर थाना गरियाबंद पुलिस टीम द्वारा अवैध कच्ची महुआ शराब के विरूद्ध धर पकड़ की कार्रवाई की गई। जिसमें आरोपी गुलाब नेताम पिता अमर सिंह नेताम उम्र 31 वर्ष निवासी ग्राम बारूला जिला गरियाबंद छत्तीसगढ़ के खिलाफ 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया। आरोपी के कब्जे से कुल 20- 20 लीटर वाली नीला व हरा रंग की बाल्टी में भरा हुआ 20 एवं 10 कुल 30 बल्क लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब प्राप्त हुआ। जिसे जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। आरोपी का कृत्य आबकारी एक्ट का घटित करना पाए जाने से आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया।

जिले में यातायात माह 2026 के पहले दिन हेलमेट जागरूकता बाइक रैली निकली

कवर्धा (समय दर्शन)। यातायात माह वर्ष 2026 का भव्य शुभारंभ 5 जनवरी को हुआ। इस अवसर पर हेलमेट जागरूकता बाइक रैली भी निकाली गई, जिसमें पुलिस अधीक्षक सहित जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारी एवं बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों ने सहभागिता की। बाइक रैली के माध्यम से जिलेवासियों को सुरक्षित वाहन संचालन, हेलमेट पहनने एवं यातायात नियमों के पालन का संदेश दिया गया। पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के मुख्य आतिथ्य में वीर सावरकर भवन में आयोजित कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित पटेल, उप पुलिस अधीक्षक संजय ध्रुव, उप पुलिस अधीक्षक आशीष शुक्ला, उप पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार चंद्राकर, उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती अंजू, यातायात शाखा प्रभारी उप निरीक्षक अजयकांत तिवारी सहित जिले के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक श्री सिंह ने कहा कि यातायात माह का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाना तथा आम नागरिकों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता विकसित करना है। उन्होंने नागरिकों से शराब सेवन कर वाहन न चलाने, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट तथा चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने, तेज गति एवं लापरवाही से वाहन न चलाने तथा यातायात संकेतों का पूर्णत: पालन करने की अपील की। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से सुरक्षित ड्राइविंग को अपनी दैनिक आदत में शामिल करने का आह्वान किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री पटेल ने बताया कि अधिकांश दुर्घटनाएं मानवीय लापरवाही के कारण होती हैं। उन्होंने गति सीमा का पालन करने, ओवरटेकिंग में सावधानी बरतने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने तथा वाहन से संबंधित आवश्यक दस्तावेज सदैव साथ रखने की समझाइश दी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह द्वारा यातायात नियमों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्होंने मोटरयान अधिनियम के अंतर्गत प्रावधानों, दंडात्मक कार्रवाई तथा सुरक्षित यातायात के महत्व को सरल एवं व्यावहारिक भाषा में समझाते हुए नागरिकों से नियमों का पालन कर स्वयं एवं अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की।

केपीएल विजेओं को हेलमेट वितरण किया- कार्यक्रम के दौरान शहर में आयोजित के.पी.एल. प्रतियोगिता की विजेता एवं उपविजेता टीमों को हेलमेट वितरित किए गए, जिसके माध्यम से यह संदेश दिया गया कि हेलमेट केवल कानूनी औपचारिकता नहीं बल्कि जीवन रक्षा का सबसे प्रभावी साधन है।

श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज का प्रकाश पर्व,गुरुद्वारों में सजे धार्मिक आयोजन

गरियाबंद (समय दर्शन)। सिख धर्म के दशम गुरु,महान योद्धा, कवि दार्शनिक और आध्यात्मिक मार्गदर्शक श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज की जयंती के पावन अवसर पर गरियाबंद में प्रकाश पर्व श्रद्धा,भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शहर के गुरुद्वारे में विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में गुरुद्वारे को आकर्षक विद्युत रोशनी और फूलों से सजाया गया, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर नजर आया।सुबह से ही श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया था।सोमवार दोपहर को सहज पाठ साहिब जी के भोग की विधिवत समाप्ति के पश्चात गुरु का अटूट लंगर प्रारंभ किया गया। इस आयोजन का संचालन सिख समाज द्वारा किया गया,जिसमें सभी धर्म और वर्ग के नगरवासियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई और लंगर प्रसादी ग्रहण की। गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज केवल सिख समाज के ही नहीं,बल्कि पूरे मानव समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने अन्याय के खिलाफ संघर्ष, समानता,साहस और बलिदान का जो मार्ग दिखाया,वह आज भी प्रासंगिक है। प्रकाश पर्व हमें सत्य, सेवा और समर्पण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। गुरु गोबिंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना कर समाज को आत्मसम्मान और एकता का संदेश दिया। उन्होंने अत्याचार के विरुद्ध खड़े होने का साहस दिया। आज का यह आयोजन हमें गुरु साहिब की शिक्षाओं को जीवन में उतारने का संकल्प लेने का अवसर प्रदान करता है।

प्रकाश पर्व के अवसर पर गुरुद्वारे में शबद कीर्तन, अरदास और गुरु इतिहास का पाठ भी किया गया। पूरे आयोजन में सेवा, समर्पण और भाईचारे की भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली।

परासुली परिक्षेत्र में अवैध शिकार,कच्चा मांस एवं हथियार के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य में वन क्षेत्रों में अवैध शिकार की रोकथाम के लिए वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) के मार्गदर्शन में जंगलों में नियमित पेट्रोलिंग और जांच की जा रही है। इसके तहत पूरे राज्य में वन विभाग की टीमें लगातार सतर्क रहकर कार्रवाई कर रही हैं।

परासुली परिक्षेत्र के विभाग द्वारा गोपनीय सूचना के आधार पर 1 जनवरी को परसुली परिक्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कोपेकसा में बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में जंगली जानवर के मांस के साथ शिकार में उपयोग हथियार जप्त की गई। सर्च वारंट के तहत वनमण्डलाधिकारी के निर्देश में वन परिक्षेत्र पारसुली के अधिकारी कर्मचारियों की संयुक्त टीम के द्वारा ग्राम कोपेकसा निवासी नंदू,पिता महेतर ध्रुव के निवास स्थान पर छापामार कार्रवाई की गई तलाशी के दौरान आरोपी के घर से भारी मात्रा में वन्यजीव का कच्चा तथा पका हुआ मांस बरामद किया गया इसके साथ ही एक लाइसेंसी भरमार बंदूक,एक एयर गन तथा अन्य हथियार भी जब्त किए गए। बरामद मांस के नमूनों को फोरेंसिक जांच के लिए जबलपुर भेज दिया गया है,वही जांच रिपोर्ट आने के बाद ही कौन से जंगली जानवर का मांस है और उसकी उम्र क्या होगी इसकी पुष्टि वन विभाग कर पाएगी।

वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मुख्य आरोपी नंदू के साथ दो अन्य आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर अन्य आरोपियों की पातातलाश वन विभाग टिम द्वारा किया जा रहा है ज्ञात हो कि राज्य में वनों की संरक्षण करने और अवैध शिकार की घटनाओं को रोकने वन मंत्री केदार कश्यप द्वारा वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें की गई हैं तथा अवैध शिकार पर सख्त कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं छापामार कार्रवाई के साथ-साथ वन विभाग द्वारा स्थानीय लोगों को जागरूक करने के लिए निरंतर अभियान भी चलाए जा रहे हैं इन अभियानों के माध्यम से वन एवं वन्यजीवों के संरक्षण का महत्व तथा अवैध शिकार करने पर होने वाले कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी जा रही है, ताकि लोग वन्य प्राणी के शिकार और खाल की तस्करी जैसे कृत्यों से दूर रहें और वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा में सहयोग करें इसी के तहत परासुली परीक्षेत्र के अधिकारी को मुखबिर से इस अवैध शिकार की सूचना मिल की जिसके तहत परासुली परिक्षेत्र के अधिकारी के द्वारा नंदू के घर छापा मारा गया और इस अवैध शिकार का खुलासा किया गया वही जानकारी के मुताबिक आरोपी का पिता के द्वारा पूर्व में भी तेंदुआ का खाल रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था ।

सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो 2025 : युवा नवोन्मेषक तकनीक की मदद से पर्यावरणीय स्थिरता को कैसे आकार दे रहे हैं

दशकों से, पर्यावरणीय स्थिरता को त्याग और समझौते के रूप में देखा जाता रहा है। आईआईटी दिल्ली के सहयोग में सैमसंग के प्रमुख शिक्षा कार्यक्रम, सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो (एसएफटी) 2025 के समर्थन और मार्गदर्शन से, युवा इनोवेटर्स ने इस कहानी को बिल ?कुल उलट दिया: तकनीक धरती की रक्षा करते हुए समृद्धि को बढ़ावा दे सकती है। भारत भर में हजारों छात्रों ने तकनीक के माध्यम से पर्यावरणीय स्थिरता की थीम के तहत अत्याधुनिक समाधान तैयार किए। उ न्होंने संसाधन संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छ जल और कार्बन कटौती पर फोकस किया।

इस नई पीढ़ी के चेंजमेकर्स ने आखिर क्या हासिल किया, इसकी जानकारी नीचे दी जा रही है:

1. तात्कालिकता और विकास को ध्यान में रखकर किये गये इनोवेशन

छात्रों ने जल, ऊर्जा, अपशिष्ट और जैव विविधता को संरक्षित करने वाली तकनीकों का विकास किया, जो आर्थिक और सामाजिक प्रगति के लिए सस्टेनेबिलिटी को प्रेरणा के तौर पर बदल देती हैं।

2. थीम विजेता पृथ्वी रक्षक: अपशिष्ट को धन में बदलना सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो 2025 का प्रमुख विजेता, पृथ्वी रक्षक, एक मॉड्यूलर एआई-संचालित वर्मीकंपोस्टिंग सिस्टम है, जिसे तीन टीनेजर्स- अभिषेक ढांडा, प्रभकीरत सिंह और रचिता चंडोक ने विकसित किया है। उनका यह नवाचार स्मार्ट सेंसर्स की मदद से जैविक अपशिष्ट को अपने आप ही पोषक तत्वों से भरपूर खाद में बदल देता है, निश्चित रूप से यह प्रोडक्ट स्कूलों, बाजारों और समुदायों के लिए बेहद उपयुक्त है।

3. पर्यावरणीय मुद्दों को चुनौती देने वाले अन्य प्रमुख नवाचार अतिरिक्त शीर्ष टीमों ने महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना किया: क ड्रॉप ऑफ होप (उत्तर प्रदेश): वायु से जल निकालने वाला एक उपकरण जो सौर वायुमंडलीय संघनन (सोलर एटमॉस्फिरिक कन्डेंसेशन) का उपयोग करता है। क रिन्यूएबल डिसेलिनेशन (असम): स्वच्छ पेयजल प्रदान करने के लिए कम लागत वाला और ऊर्जा- कुशल डिसैलिनेशन सिस्टम।

क स्मालब्लू (गुजरात): एआई प्लेटफॉर्म जो एंटरप्राइज डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर को अनुकूलित करता है और क्लाउड इंफ्रस्ट्रक्चर में कार्बन फुटप्रिंट को कम करता है। कवॉक्समैप्स (मध्य प्रदेश): प्रदूषण डेटा एकत्र करने और वॉक्सेल मैप्स बनाने के लिए LiDAR और HD इमेजिंग सेंसर लगे ड्रोन।

4. असर बढ़ाने के लिए सहयोग विजेताओं को आईआईटी दिल्ली में 1 करोड़ रुपये तक का इनक्यूबेशन सपोर्ट मिला, साथ ही शीर्ष टीमों के लिए अतिरिक्त पुरस्कार भी थे, जिसमें 1 लाख रुपये का ग्रांट(अनुदान), गुडविल अवॉर्ड्स और यंग इनोवेटर अवॉर्ड्स शामिल हैं, और शीर्ष 20 टीमों के लिए सैमसंग गैलेक्सी ° फ्लिप स्मार्टफोन का भी इंतजाम किया गया।

5. एक बढ़ते, विकेंद्रीकृत इनोवेशन सिस्टम का विकास 2025 के एडिशन में टियर-II और टियर-III शहरों से मजबूत भागीदारी देखी गई।

''मध्यस्थता राष्ट्र के लिए 2.0'' अभियान को सफल बनाने हेतु प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा फैमिली कोर्ट के न्यायाधीशगण एवं काउंसलर्स के साथ समीक्षा बैठक

दुर्ग/ ''मध्यस्थता राष्ट्र के लिए 2.0'' अभियान को प्रभावी एवं सफल बनाने के उद्देश्य से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्ग द्वारा फैमिली कोर्ट के न्यायाधीशगण तथा काउंसलर्स के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा एवं समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य पारिवारिक विवादों के सौहार्दपूर्ण, त्वरित एवं स्थायी समाधान हेतु मध्यस्थता एवं काउंसलिंग की भूमिका को और अधिक सशक्त बनाना रहा।

बैठक में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्ग ने वैवाहिक एवं पारिवारिक मामलों में मध्यस्थता को प्राथमिक विकल्प के रूप में अपनाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि फैमिली कोर्ट के प्रकरणों में संवाद, समझौता एवं आपसी सहमति के माध्यम से समाधान न केवल समय और व्यय की बचत करता है, बल्कि पारिवारिक संबंधों को भी सुरक्षित रखने में सहायक होता है।

बैठक के दौरान फैमिली कोर्ट में लंबित एवं सुलह योग्य मामलों की पहचान, प्री-लिटिगेशन स्तर पर मध्यस्थता एवं काउंसलिंग को प्रोत्साहित करने, पक्षकारों को मध्यस्थता के लाभों से अवगत कराने तथा मामलों के त्वरित संदर्भन हेतु प्रभावी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। काउंसलर्स द्वारा अपने अनुभव साझा किए गए तथा व्यवहारिक सुझाव भी प्रस्तुत किए गए।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग ने न्यायाधीशगण एवं काउंसलर्स को निर्देशित किया कि वे आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए ''मध्यस्थता राष्ट्र के लिए 2.0'' अभियान के उद्देश्यों को जमीनी स्तर पर साकार करें, ताकि अधिक से अधिक पारिवारिक विवादों का समाधान सौहार्दपूर्ण ढंग से किया जा सके। बैठक के पश्चात् फैमिली कोर्ट में मध्यस्थता एवं काउंसलिंग के माध्यम से मामलों के निराकरण की प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ किए जाने पर सहमति बनी, जिससे अभियान को व्यापक सफलता मिलने की अपेक्षा व्यक्त की गई।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कवर्धा में राजनांदगांव रेंज के पहले साइबर थाने का शुभारंभ किया

कवर्धा (समय दर्शन)। जिले में साइबर अपराधों के विरुद्ध निर्णायक और दूरदर्शी कदम उठाते हुए उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने 4 जनवरी को राजनांदगांव रेंज एवं जिले के प्रथम साइबर थाने का शुभारंभ किया। इस थाने को कवर्धा के पुराने पुलिस लाइन में स्थापित किया गया है, इस थाने के जिले में स्थापना को जिले की कानून-व्यवस्था एवं डिजिटल सुरक्षा के क्षेत्र एक ऐतिहासिक कदम के रूप में देखा जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि आज का युग डिजिटल है और शासन से लेकर आम नागरिक तक ऑनलाइन माध्यमों पर निर्भर होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल सुविधाओं के साथ-साथ साइबर अपराधों की चुनौती भी बढ़ी है, जिससे आम जनता, महिलाएं, वरिष्ठजन और युवा वर्ग प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में साइबर थाना की स्थापना आम जनता को त्वरित न्याय, सुरक्षा और भरोसा देने की दिशा में एक मजबूत कदम है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों में समय सबसे अहम होता है। यदि शुरुआती घंटों में सही कार्रवाई हो जाए, तो ठगी की राशि रोकी जा सकती है और अपराधियों तक शीघ्र पहुंचा जा सकता है। साइबर थाना के माध्यम से शिकायतों का तत्काल पंजीकरण, ऑनलाइन फ्रॉड की राशि को समय रहते होल्ड करना, डिजिटल साक्ष्यों का वैज्ञानिक संकलन और अपराधियों पर त्वरित कार्रवाई संभव हो सकेगी। उन्होंने कहा कि यह थाना न केवल अपराध नियंत्रण का केंद्र बनेगा, बल्कि नागरिकों में डिजिटल जागरूकता और विश्वास भी बढ़ाएगा।

कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि साइबर थाना में एक निरीक्षक प्रभारी सहित कुल 30 प्रशिक्षित अधिकारी एवं कर्मचारियों की पदस्थापना की गई है। थाना के प्रभावी पर्यवेक्षण के लिए उप पुलिस अधीक्षक स्तर के राजपत्रित अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिससे साइबर अपराधों की विवेचना उच्च गुणवत्ता और पेशेवर तरीके से की जा सके।

पुलिस अधीक्षक ने उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में पुलिस की उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सीमित संसाधनों के बावजूद जिले में साइबर तकनीक के माध्यम से 112 ऑनलाइन ठगी मामलों में लगभग 50 लाख रुपए पीड़ितों को वापस कराए गए हैं। इसके साथ ही सीईआईआर पोर्टल की सहायता से 872 गुम एवं चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद कर नागरिकों को लौटाए गए हैं, जो साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण का प्रमाण है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की इस पहल से कबीरधाम जिले में साइबर अपराधों की रोकथाम, त्वरित विवेचना और डिजिटल सुरक्षा को नई मजबूती मिलेगी।

उन्होंने बताया कि गंभीर अपराधों की विवेचना में कॉल डिटेल रिकॉर्ड, लोकेशन ट्रैकिंग और डिजिटल साक्ष्यों का उपयोग कर आरोपियों तक शीघ्र पहुंच बनाई गई है। महिलाओं और बच्चों से जुड़े साइबर अपराधों में विशेष संवेदनशीलता और प्राथमिकता के साथ कार्रवाई की जा रही है। इस कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य राम कुमार भट्ट, डॉ वीरेन्द्र साहू, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित पटेल, डीएसपी कृष्ण कुमार चंद्राकर, डीएसपी आशीष शुक्ला, साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक महेश प्रधान, थाना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक योगेश कश्यप सहित अन्य पुलिस अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

खेलों इंडिया ट्राइबल गेम्स का चयन, ट्रायल रायपुर एवं बिलासपुर में होगा आयोजित

खेलों इंडिया ट्राइबल गेम्स में वेटलिफ्टिंग, कुश्ती, फुटबॉल एवं हॉकी चयन ट्रायल 6 से 8 जनवरी तक रायपुर में

गरियाबंद (समय दर्शन) भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा खेलों इंडिया ट्राइबल गेम्स का प्रथम संस्करण छत्तीसगढ़ राज्य में 14 फरवरी 2026 से निर्धारित किया गया है,जिसमें कुल 9 खेलों को सम्मिलित किया गया है। राज्य दल की भागीदारी सुनिश्चित करने खिलाड़ियों का चयन ट्रायल 6 से 8 जनवरी 2026 तक रायपुर एवं बिलासपुर में होना निर्धारित है। प्रतियोगिता के माध्यम से अनुसूचित जनजाति वर्ग के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शन करने का सशक्त माध्यम है। छत्तीसगढ़ राज्य खेल प्रतिभाओं से समृद्ध है तथा राज्य के प्रत्येक जिले में शामिल खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी उपलब्ध हैं।खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा खेलों इंडिया ट्राइबल गेम्स का चयन ट्रायल रायपुर में 6 से 8 जनवरी तक आयोजित होगा जिसमें वेटलिफ्टिंग, कुश्ती, फुटबॉल एवं हॉकी खेल शामिल हैं तथा बिलासपुर में 7 से 8 जनवरी तक एथलेटिक्स, तीरंदाजी एवं तैराकी खेल आयोजित होगा जिसमें अनुसूचित जनजाति के बालक एवं बालिका कोई भी खिलाड़ी शामिल हो सकते हैं। खेलों इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में आयोजित होने वाले खेलों के आयोजन स्थल, दिनांक एवं इवेंट विवरण निम्नानुसार है - वेटलिफ्टिंग दिनांक 6 जनवरी को प्रात: 9 बजे से एवं कुश्ती, फुटबॉल 7 से 8 जनवरी को स्वामी विवेकानंद स्टेडियम रायपुर में आयोजित होगा।हॉकी 7 से 8 जनवरी प्रात: 9 बजे से आयोजित होगा।तीरंदाजी (रिकर्व एवं कंपाउंड) एवं एथलेटिक्स स्व. बी.आर.यादव स्टेडियम, बिलासपुर में 7 से 8 जनवरी प्रात: 9 बजे से एवं तैराकी जिला खेल परिसर सरकंडा बिलासपुर में दिनांक 7 से 8 जनवरी प्रात: 9 बजे से आयोजित होगा। खिलाड़ी छत्तीसगढ़ राज्य का निवासी हो खिलाड़ी का अनुसूचित जनजाति वर्ग से संबंधित होना अनिवार्य हैं।आयु सीमा सभी पात्र महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों के लिए खुली हैं।चयन ट्रायल में ओरिजिनल अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड/स्थानीय प्रमाण पत्र साथ लेकर जाने कहा गया हैं। एथलेटिक्स चयन ट्रायल में व्यक्तिगत स्पर्धा में 100 मीटर,200,400,800,1500, 5000,10000,बाधा दौड़ 110 मीटर, बाधा दौड़ 400 मीटर,लंबी कूद,ऊंची कूद,गोला फेंक,भाला फेंक, तवा फेंक,10 किलो मीटर पैदल चाल,4 गुणा 100 मीटर एवं 4 गुणा 400 मीटर रिले दौड़ बालक एवं बालिका शामिल हो सकते हैं। वेटलिफ्टिंग व्यक्तिगत पुरुष स्पर्धा में किलो ग्राम 60, 65, 71, 79, 88, 94, 110 एवं 110 किलो से अधिक एवं महिला वर्ग हेतु किलो ग्राम 48, 53, 58,63,69,77,86 एवं 86 से अधिक हो सकते हैं। तैराकी में महिला एवं पुरुष दोनों वर्गों हेतु व्यक्तिगत स्पर्धा में 50,100,200 मीटर फ्री स्टाईल, 50 एवं 100 मीटर बैक स्ट्रोक, 50 एवं 100 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक, 50 एवं 100 मीटर बटरफ्लाई, 200 मीटर इंडिविजुअल मिडले, टीम इवेंट में 4 गुणा 100 मीटर फ्री स्टाईल रिले एवं 4 गुणा 100 मीटर मेडले रिले आयोजित होंगी। तीरंदाजी में महिला एवं पुरुष दोनों में व्यक्तिगत रिकर्व एवं कंपाउंड एवं टीम इवेंट में रिकर्व एवं कंपाउंड राउंड तथा व्यक्तिगत स्पर्धा में शामिल होने वाले खिलाड़ी टीम इवेंट में शामिल हो सकेंगे। पंजीयन लिंक जारी किया गया है तथा अधिक जानकारी के लिए जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग गरियाबंद मो. 6261590400 में सम्पर्क कर सकते है।

संक्षिप्त-खबर

नियम तोड़ने पर अपनों को भी नहीं बख्शा: दुर्ग स्स्ककी सख्ती, बिना हेलमेट बाइक दौड़ा रहे 9 पुलिसकर्मियों के काटे चालान

दुर्ग (समय दर्शन)। जिले के पुलिस कप्तान विजय अग्रवाल इन दिनों 'डिसीप्लिन' के मूड में हैं। उन्होंने साफ कर दिया है कि खाकी वर्दी पहनने का मतलब यह कतई नहीं है कि आप नियमों से ऊपर हैं। एसएसपी के सख्त निर्देश के बावजूद रविवार को शहर की सड़कों पर बिना हेलमेट दोपहिया वाहन दौड़ाना 9 पुलिसकर्मियों को भारी पड़ गया। चेकिंग के दौरान जब ये पुलिसकर्मी बिना हेलमेट पाए गए, तो विभाग ने 'जी हुजूर' कहने के बजाय सीधे रसीद बुक निकाली और उनके हाथ में थमा दी।

दरअसल, एसएसपी विजय अग्रवाल ने जिले के सभी थाना प्रभारियों और पुलिसकर्मियों को स्पष्ट हिदायत दी थी कि वे सड़क पर निकलते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनें। इसके पीछे मंशा यह थी कि पुलिस खुद उदाहरण पेश करे ताकि आम जनता को नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया जा सके। लेकिन रविवार, 4 जनवरी को स्थिति कुछ और ही दिखी। रक्षित केंद्र से लेकर अलग-अलग थानों में पदस्थ कुछ पुलिसकर्मी बेखौफहोकर बिना सुरक्षा कवच (हेलमेट) के वाहन चला रहे थे।

लाइन से लेकर थानों तक हुई कार्रवाई- कार्रवाई की जद में आए पुलिसकर्मियों की सूची लंबी है। इसमें रक्षित केंद्र दुर्ग के प्रधान आरक्षक सुशील प्रजापति, अंडा थाने के भागवत प्रसाद, रानीतराई थाने के सुनील साहू, दुर्ग थाने के कमलेश देशमुख, जामुल के पंकज पाण्डेय, और खुर्सीपार के रवि सोनी शामिल हैं। महिला आरक्षक भी इस अनुशासन की रडार से नहीं बच पाईं। भिलाई नगर थाने की संगीता कोसले, छावनी की एलिषा और महिला थाना की आशा ठाकुर पर भी मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

जेब से ढीले हुए 500-500 रुपए- कार्रवाई के दौरान नियमों की अनदेखी करने वाले प्रत्येक पुलिसकर्मी पर 500-500 रुपये का जुर्माना ठोका गया। इस कार्रवाई से महकमे में हड़कंप मच गया है। पुलिस प्रशासन ने कड़ा संदेश दिया है कि यातायात नियमों की ढ़िलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी, फिर चाहे सामने कोई आम शहरी हो या खाकी वर्दी वाला। अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा ताकि शहर की यातायात व्यवस्था और पुलिस की छवि दोनों को सुधारा जा सके।

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने 3 मृतकों के वारिसों के लिए किया 4-4 लाख स्वीकृत

सारंगढ़ बिलाईगढ़/ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सरकार में आपदा पीड़ितों को त्वरित सहायता दिया जा रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने जिले में प्राकृतिक आपदा से हुए मौत पर, सभी मृतकों के वारिस के लिए राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी) 6-4 के तहत चार लाख रूपये का आर्थिक सहायता स्वीकृत किया है। इसमें तालाब के पानी में डूबने से हुई मौत पर सारंगढ़ के पैलपारा के मृतक भावेश चौहान की माता चित्तकुंवर चौहान के लिए, आकाशीय बिजली से मौत मामले में सारंगढ़ तहसील के ग्राम जसपुर के मृतक विजय माली की पत्नी साधमती माली और बरमकेला तहसील के ग्राम बोईरडीह के मृतक भानु प्रताप साहू की पत्नी सीमा साहू के सयुंक्त परिवार के लिए चार लाख रूपये स्वीकृत किया है

बसना क्षेत्र के जाने-माने चिकित्सक डॉ.एस पी कश्यप का निधन

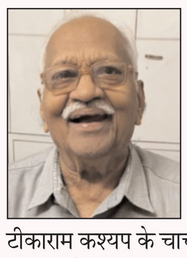

बसना (समय दर्शन)। नगर के डॉक्टर सुरीत प्रसाद कश्यप (एस.पी. कश्यप) का बीते दिन निधन हो गया। वे जितेन्द्र कश्यप, इसरो के वरिष्ठ वैज्ञानिक ज्ञानेन्द्र कश्यप के पिता, डॉक्टर भूपेन्द्र कश्यप, सेवानिवृत्त प्रिंसिपल टीकाराम कश्यप के चाचा तथा डॉ. आयुष कश्यप, अंशुल कश्यप के दादा थे। डॉ.कश्यप कई दशकों से लोगों की चिकित्सकीय सेवा से जुड़े रहे। वे चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में नामचीन हस्तियों में से थे। उनका अंतिम संस्कार बसना के मुक्तिधाम में किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में गणमान्य जन उपस्थित थे।

ग्राम लालमाटी में महिला पर हमला, गांव की बैठक बनी विवाद की वजह

सांकरा (समय दर्शन)। सांकरा थानांतर्गत ग्राम लालमाटी में महिला पर हमला के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का सनसनीखेज मामला सामने आया है।

पीड़िता ने गांव के ही युवक पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता ने बताया कि वह पढ़ी-लिखी नहीं है और गृहणी होने के साथ रोजी-मजदूरी कर अपना जीवन यापन करती है। दिनांक 04 जनवरी 2026 को गांव के कौशल पटेल ने उसके पति

जेठु राम निषाद के साथ पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौच व मारपीट की थी। विवाद को सुलझाने के लिए महिला ग्राम सरपंच के पास बैठक करवाने गई थी।

सरपंच से मिलकर जब वह वापस अपने घर लौट रही थी, तभी घर के पास ही कौशल पटेल ने उसे रोक लिया और बैठक बुलाने की बात को लेकर अश्लील गाली-गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि आरोपी ने हाथ-मुक्कों से मारपीट की और डंडे से हमला किया, जिससे महिला के दाहिने हाथ की कोहनी, पैर और कमर में गंभीर छोटे आयी है।

घटना के समय महिला के पति जेठु राम निषाद मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किया। इसके बाद पीड़िता अपने पति के साथ थाना सांकरा पहुंची, जहां रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर धारा 115(2), 296, 351(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और दोषी पाए जाने पर आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नशे पर नियंत्रण के साथ कानून व्यवस्था पहली प्राथमिकता-बसना थाना प्रभारी शरद दुबे

बसना (समय दर्शन)। महासमुन्द जिले में पुलिस प्रशासनिक फेरबदल के साथ बसना थाना को शनिवार 3 जनवरी 2026 को नया थाना प्रभारी मिल गया। अनुभवी पुलिस अधिकारी शरद कुमार दुबे ने विधिवत रूप से बसना थाना का कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार संभालते ही उन्होंने स्पष्ट किया कि नगर एवं थाना क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करना, अवैध शराब तथा सूखे नशे पर प्रभावी नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी।

मीडिया से चर्चा करते हुउ थाना प्रभारी श्री दुबे ने कहा कि पुलिस की जिम्मेदारी केवल अपराध दर्ज करना नहीं, बल्कि अपराध की रोकथाम, आमजनों की सुरक्षा के साथ उनमें भरोसा पैदा करना और निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करना है।

इसी दिशा में वे पुलिस स्टाफ के साथ समन्वय बनाकर काम करेंगे।

महासमुंद जिले में उनका कार्यानुभव उल्लेखनीय रहा है। उन्होंने मार्च 2024 से

जुलाई 2024 तक पटेवा थाना प्रभारी के रूप में सेवाएं दीं। इसके बाद वे जुलाई 2024 से 2 जनवरी 2025 तक जिला मुख्यालय कोतवाली महासमुंद में पदस्थ रहे, जहां उन्होंने कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और विवेचना की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया। अब 3 जनवरी 2026 को उन्हें बसना थाना की कमान संभाली हैं।

उन्होंने बताया कि,बसना थाना क्षेत्र में अपराध पर नियंत्रण के साथ-साथ सामाजिक शांति बनाए रखना भी पुलिस की अहम जिम्मेदारी है। जिसमें महिला सुरक्षा, बसना नगर में रात्रि गश्त बढ़ाने, चोरी-मारपीट जैसी घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई, लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण और विवेचना में पारदर्शिता को विशेष महत्व दिया जाएगा। वहीं पर्व-त्योहारों के दौरान शांति समिति एवं सामाजिक संगठनों के साथ समन्वय कर सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने पर भी विशेष ध्यान रहेगा।

बसना थाना प्रभारी के रूप मेश्री दुबे ने आम नागरिकों से पुलिस का सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधियों या अवैध कार्य की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। उन्होंने विश्वास दिलाया कि बसना थाना क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही निष्पक्षता और जनहित सर्वोपरि रहेगा।

सरपंच संघ ने विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्टर ने सौंपा ज्ञापन, मूलभूत की द्वितीय किश्त राशि जल्द जारी करने को मांग रखी

पाटन (समय दर्शन)। जनपद पंचायत पाटन के सरपंच संघ अध्यक्ष विनय चंद्राकर के नेतृत्व आज सरपंचों ने कलेक्टर को विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में ।छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त ब्लॉक के सभी ग्राम पंचायतो में नव निर्वाचित सरपंच बने लगभग दस माह हो चुके है। समस्त ग्रामो की मुलभूत सुविधाओं एवं वैकल्पिक व्यवस्थाओं के लिए पंचायती राज व्यवस्था क्षीण हो चुकी है। चूंकि शासन एवं प्रशासन के द्वारा अभी तक किसी की राशि ग्राम पंचायत को उपलब्ध नहीं कराई गई है। अपितु आपके समक्ष संघ की 11 सूत्रीय मांग प्रस्तुत है। मनरेगा में मजदूरी कार्य पुनः जारी किया जाए, जिससे पंचायतो का विकास किया जा सकें।।15 वें वित्त की वर्ष 2025-26 की राशि जारी किया जाए, जिससे पंचायतों का विकास किया जा सके। सरपंच का वर्तमान मानदेय जो कि 4000 रू है बहुत कम है। उसे बढ़ाकर 12000 किया जाए। पंचायतो को मिलने वाली मूलभूत एवं 15 वें वित्त आयोग की राशि 2011 की जनगणना के अनुसार आवंटित होता है उसे वर्तमान जनसंख्या के अनुसार आबंटित किया जाए।।पूर्व में संचालित गौठान के सभी खातों की जानकारी सरपंचो को दिया जाए एवं शेष राशि पंचायतो के मूलभूत समस्याओं एवं विकास के लिए जारी किया जाए एवं सरपंचो को इनकी राशि आहरण करने की अनुमति प्रदान किया जाए। गौण खनिज की राशि 2020-2021 तक की राशि प्राप्त हुआ है शेष वर्ष की राशि अविलंब प्रदान किया जाए। सरपंच निधि के रूप में प्रत्येक ग्राम पंचायतों को पांच लाख रूपये विकास हेतु प्रतिवर्ष प्रदान किया जाए।।15 वें वित्त में जिला स्तर 10 प्रतिशत, जनपद स्तर 15 प्रतिशत को हटाकर 100 प्रतिशत राशि ग्राम पंचायतो को प्रदाय किया जाए। पाटन ब्लाक के समस्त ग्राम पंचायतों में, जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्माण कार्यों में हो रहे अनियमितता में सुधार लाया जाएं। गांव में लगे सोलर संयंत्रों का मरम्मत तत्काल कराया जाए। प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि बढ़ाकर शहरो की तर्ज पर 2,50,000 रु. किया जाए एवं हितग्राहियों की भूमि के आभाव पर प्रथम मंजील पर प्रधानमंत्री आवास निर्माण करने की अनुमति प्रदान की जाए। उपरोक्त मांगो पर त्वरित कार्य करते हुए सभी सरपंच को न्याय दिलाकर सभी ग्राम पंचायतो के विकास की गति प्रदान करने की कृपा करें।

महासमुंद जिले को मिली तीन मेडिकल यूनिट वाहन

- विशेष पिछड़ी जनजाति समूह को मिलेगा सीधा लाभ
- कलेक्टर श्री लंगेह ने मेडिकल यूनिट वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

महासमुन्द (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत महासमुंद जिले को 3 मोबाइल मेडिकल यूनिट वाहनों की सौगात मिली है। आज जिला कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह एवं मुख्य मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आई नागेश्वर राव ने कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर मेडिकल यूनिट वाहनों को रवाना किया।

यह मोबाइल मेडिकल यूनिट महासमुंद, बागबाहरा एवं पिथौरा विकासखंडों के 75 से अधिक गाँवों में भ्रमण कर विशेष रूप से पीवीटीजी (विशेष पिछड़ी जनजातीय समूह) कमार जनजाति के लोगों को स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराएँगी। मुख्य रूप से धनसूली, पाटनदादर, अमेठी, जोरातराई, रैताल, धरमपुर, गुलझर गाँवों मे यह गाड़िया सासाहिक रूप से विजिट करेंगी। योजना का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों में निवासरत कमार जनजाति को उनके गाँव में ही सुलभ, नि:शुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा प्रदान करना है। मोबाईल यूनिट पूरी तरह सभी सुविधा युक्त हैं इसमें डॉक्टर, फार्मेसिस्ट, ए एन एम, लैब टेक्निशयन उपलब्ध रहेंगे। मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से प्राथमिक उपचार, स्वास्थ्य परीक्षण, गैर संचारी रोगों की पहचान, आवश्यक दवाइयों का वितरण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाएँ, पोषण एवं रोगों से बचाव संबंधी परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री लंगेह ने कहा कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत शुरू की गई यह सेवा कमार जैसी विशेष पिछड़ी जनजातियों के स्वास्थ्य स्तर में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और उन्हें समय पर इलाज सुनिश्चित होगा। उन्होंने इन मेडिकल वाहनों को बहुउद्देशीय केन्द्र जोरातराई एवं धनसुली में विशेष रूप से सेवा देने के निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग से डीपीएम नीलू धृतलहरे, तेजस राठौड़, संदीप चंद्राकर, झलेश साहू, सागर ठाकुर, हरिशंकर साहू, विजय, अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

विभागीय परीक्षा का आयोजन बीआईटी दुर्ग में

दुर्ग/ छत्तीसगढ़ शाासन गृह-सी विभाग (विभागीय परीक्षा प्रकोष्ठ) के अंतर्गत शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए विभागीय परीक्षा का आयोजन 27 जनवरी से 03 फरवरी 2026 तक आयोजित किया गया है। आयुक्त दुर्ग संभाग द्वारा विभागीय परीक्षा संचालन हेतु भिलाई प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी) दुर्ग को परीक्षा केन्द्र नामांकित किया गया है।

आईआईटी भिलाई में 6वां आईईईई ईपीआरईसी 2026 सफलतापूर्वक संपन्न

दुर्ग/ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई, 4 जनवरी 2026रू भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग द्वारा आयोजित 6वां आईईईई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन इलेक्ट्रिक पावर एंड रिन्यूएबल एनर्जी (ईपीआरईसी 2026) आज वैलेडिक्टरी सत्र के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आईईईई प्रायोजित यह तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2 से 4 जनवरी 2026 तक आयोजित किया गया, जिसमें भारत एवं विदेशों से शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, उद्योग विशेषज्ञों तथा छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वैलेडिक्टरी सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. भीम सिंह, एसईआरबी नेशनल साइंस चेयर प्रोफेसर, आईआईटी दिल्ली एवं विज्ञान श्री पुरस्कार से सम्मानित, रहे। अपने संबोधन में उन्होंने सम्मेलन की उच्च तकनीकी गुणवत्ता की सराहना की तथा अनुप्रयोग-उन्मुख शोध, नवाचार और स्टार्टअप आधारित समाधानों के माध्यम से रोजगार सृजन पर बल दिया। इस अवसर पर आईआईटी भिलाई के निदेशक प्रो. राजीव प्रकाश, डीन (अनुसंधान एवं विकास) डॉ. संतोष बिस्वास तथा विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अविशेक अधिकारी सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सम्मेलन के दौरान शिक्षाविदों और उद्योग जगत के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों द्वारा दिए गए मुख्य भाषणों ने तकनीकी कार्यक्रम को समृद्ध किया। ईपीआरईसी 2026 में 500 से अधिक शोधपत्र प्राप्त हुए, जिनमें से कड़ी समीक्षात्मक प्रक्रिया के पश्चात 235 शोधपत्रों का चयन किया गया और उन्हें सम्मेलन के दौरान प्रस्तुत किया गया।

भोरिंग की डोमेश्वरी एवं दुर्गेश्वरी साहू का राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप के लिए चयन

- राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप रांची के लिए महासमुन्द जिले के 02होनहार बेटियों का चयन

महासमुंद(समय दर्शन)। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफइंडिया द्वारा 69 वीं राष्ट्रीय शालेय तीरंदाजी चैंपियनशिप का आयोजन दिनांक 6 से 10 जनवरी 2026 तक रांची झारखंड में आयोजित किया गया है, जिसमें खेलों इंडिया तीरंदाजी सेंटर एकलव्य आवासीय विद्यालय भोरिंग की डोमेश्वरी साहू पिता लिखन लाल साहू एवं दुर्गेश्वरी साहू पिता चंद्रहास साहू का चयन हुआ हैं

डॉ. सुनील कुमार भोई व्यायाम शिक्षक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोरिंग ने बताया कि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोरिंग के कक्षा 11 वी की छात्रा डोमेश्वरी साहू रिकर्व राउंड और कक्षा 9 वी की छात्रा दुर्गेश्वरी साहू कंपाउंड राउंड का चयन राष्ट्रीय तीरंदाज़ी प्रतियोगिता 17 वर्ष आयु वर्ग के लिए हुआ हैं, इनका चयन कोण्डागांव में आयोजित राज्य स्तरीय शालेय तीरंदाजी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के आधार पर हुआ है डोमेश्वरी साहू एवं दुर्गेश्वरी साहू दोनों खिलाड़ी तीरंदाजी खेल का अभ्यास प्रशिक्षक एवन कुमार साहू के मार्गदर्शन में खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद द्वारा संचालित खेलों इंडिया तीरंदाजी सेंटर एकलव्य भोरिंग में कर रहे हैं, जिनके दिशानिर्देशन में

इस मैदान से बहुत सारे खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता एवं राष्ट्रीय तीरंदाज़ी प्रतियोगिता में भाग लेकर जिले एवं राज्य को गौरवान्वित किया हैं

राष्ट्रीय तीरंदाजी खिलाड़ी डोमेश्वरी साहू ने सब-जूनियर नेशनल तीरंदाजी प्रतियोगिता ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश में प्रतिनिधित्व किया है

खेलों इंडिया तीरंदाजी सेंटर एकलव्य आवासीय विद्यालय भोरिंग में अभ्यासरत एवं शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल भोरिंग के खिलाड़ियों का चयन होने पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग शिल्पा साय, खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद मनोज कुमार घृतलहरे, प्राचार्य एकलव्य महेंद्र टंडन एवं समस्त स्टॉफ राष्ट्रीय चैंपियनशिप में होने पर संस्था के प्राचार्य श्रीमती कमलेश्वरी साहू, व्यायाम शिक्षक डॉ. सुनील कुमार भोई, पुष्पा साहू, जीवन लाल साहू, यू आर साहू, भुवनेश्वरी शुक्ला, दीप्ति वर्मा, तनु श्री देशपाण्डे, स्मिता दास, रामनारायण साहू, संतोष यादव, शाला विकास समिति के अध्यक्ष पोखन लाल ढीढी , ओसराम ढीढी तथा समस्त सदस्य, प्रियंका लवेश ढीढी जनपद पंचायत महासमुंद, सरपंच ग्राम पंचायत भोरिंग लीला लोकेश्वर साहू, उप सरपंच भेख राम साहू, वेद प्रकाश साहू पंच, हितेंद्र ढीढी, आनंद टंडन, तेथिस चेलक, सतीश साहू, सावित्री साहू, गायत्री तरुण साहू ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26